टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED

जगावतरणम्
JANGAVATARANAM

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की गृह पत्रिका

जनवरी–मार्च, 2019

संपादकीय

प्रिय पाठको,

आप सब को होली के बाद चैत्र नवरात्रि की हार्दिक बधाई। गृह पत्रिका गंगावतरणम् का जनवरी–मार्च 2019 अंक कतिपय महत्वपूर्ण, रोचक व पठनीय जानकारी के साथ आप लोगों के समक्ष प्रस्तुत है। हम आशा करते हैं कि आप लोग इसे पसंद करेंगे। विगत अंक में खुर्जा सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट के संबध में विस्तृत जानकारी परियोजना प्रमुख के साक्षात्कार के तौर पर प्रस्तुत किया गया। यह साक्षात्कार खुर्जा परियोजना के बारे में जानकारी के लिये बहुत ही महत्वपूर्ण है। इस परियोजना से कारपोरेशन को देश में थर्मल पावर के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का मौका मिलेगा। वर्तमान में कारपोरेशन का हाइड्रो पावर के क्षेत्र में वर्चस्व है। पवन ऊर्जा का भी उत्पादन हो रहा है तथा सोलर पावर में भी कदम बढ़ा चुके हैं। इस प्रकार कारपोरेशन के कार्यक्षेत्र का विविधीकरण प्रगति पर है।

कारपोरेशन के बढ़ते कार्यक्षेत्र के साथ ही हम लोगों का उत्तरदायित्व भी अधिक बढ़ गया है। कारपोरेशन की महत्वपूर्ण गतिविधियों को प्रचार–प्रसार के माध्यम से पाठकों तक पंहुचाने में कारपोरेट संचार विभाग का विशेष योगदान होता है। इस योगदान को हम तभी बखूबी निभा सकते हैं कि जब आप सब का वांछित सहयोग मिलता रहे। हमारा अनुरोध है कि कारपोरेशन की उपलब्धियों से संबंधित समाचार समय–समय पर हमें सचित्र उपलब्ध कराते रहें जिसे हम आप के समक्ष प्रस्तुत कर सकें।

गृह पत्रिका में कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व, महिला मंडल की गतिविधियों, खेलकूद से संबंधित समाचारों को प्राथमिकता दी गयी है। राष्ट्रभक्ति से जुड़े कार्यक्रमों, सांस्कृतिक व कलात्मक गतिविधियों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, पुरस्कार व अन्य उपलब्धियों को विशिष्ट स्थान दिया गया है।

यह कहावत सही है कि **"अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता"**। लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये संयुक्त प्रयास की जरूरत है। हमें पूर्ण उम्मीद है कि संपादक मंडल अपने प्रयासों से पत्रिका को पठनीय व रूचिकर बनाने का सतत् प्रयास करेगा तथा पाठको की कसौटी पर खरा उतरेगा।

डॉ. ए. एन. त्रिपाठी
संपादक

CONTENTS

Director (P) Message 1
Prime Minister Inaugurates KSTPP 2
THDC paid Dividend to Government of India 3
THDC paid Dividend to Government of UP 3
Sec. (Power), GoI visits SHEP, Jhansi 4
MoU between THDCIL & PGCIL 6
MoU between THDCIL Management & Workmen Union 7
CVO visits Tehri & Koteshwar Projects 8
Amisha Chauhan's Mt. Everest Summit 9
CSR Innovation & Leadership Award - 2019 9
THDC Ladies Club Programmes 10
International Women's Day 12
Stress Management Programme for Women 13
National Productivity Week 14
In Conversation with GM (S&E) 16
IEEE PES GTD Asia - 2019 20
Exhibition at Intermediate College Tehri 20
Officer's Club Programme 21
CSR & Sustainability Programme 21
Breast Cancer Programme 22
Medical Camp at KHEP 22
CISF Mock Drill at Tehri Power House 23
Safety Week by CISF at KHEP 23
25 Farm Machinery Bank 24
Sewa THDC Programme 24
Dhyan Yoga Programme 25
Cycle Rally 25
ICPSU Cricket Tournament 26
Inter Unit Volleyball Tournament at KHEP 26
PRP, SAT & World Bank Visit at VPHEP 27
Programme on Compliance of CLRA 27
HRD Trainings 28
Success Story of Sewa THDC 30
Hindi Karyashala 33
Sahyog Committee works 34
Diabetes Mellitus & its Oral Management 35
Retirement List 36
Brij Tournament 37
Congratulations 37
Death List 37

सम्पादक मंडल

मुख्य संरक्षक
श्री डी.वी. सिंह
अध्यक्ष एवं प्रबंधक निदेशक

संरक्षक
श्री विजय गोयल
निदेशक (कार्मिक)

संपादक
डॉ. ए.एन. त्रिपाठी
उप–महाप्रबंधक
(कार्मिक–नीति व का.स.)

संयुक्त संपादक
श्री कमिल देव प्रसाद दूबे
वरिष्ठ प्रबंधक (कारपोरेट संचार)

समन्वयक

ऋषिकेश
श्री जाकिर हुसैन
वरि. ज.स. अधिकारी

कोटेश्वर
श्री आर.डी. ममगाई
वरि. ज.स. अधिकारी

कौशाम्बी
श्री बी.एस. चौहान
जनसम्पर्क अधिकारी

टिहरी
श्री मनवीर नेगी
उप प्रबंधक (जनसम्पर्क)

वीपीएचईपी
श्री बी.एस. उनियाल
वरि. ज.स. अधिकारी

खुरजा
श्री दिनेश वर्मा
वरि. प्रबंधक (कार्मिक)

निदेशक (कार्मिक) की कलम से...

प्रिय साथियों,

सर्वप्रथम मैं आप सभी को सहर्ष बधाई देता हूं कि हमारे बहुप्रतीक्षित खुर्जा सुपर थर्मल पावर प्लांट (660X2=1320 मेगावाट) का शिलान्यास 09 मार्च, 2019 को माननीय प्रधानमंत्री, भारत सरकार द्वारा ग्रेटर नोयडा में आयोजित एक भव्य समारोह में विधिवत रूप से कर दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि हमारे खुर्जा सुपर थर्मल पावर प्लांट को सार्वजनिक निवेश बोर्ड (Public Investment Board) की मंजूरी के बाद एक रिकार्ड समयावधि में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (Cabinet Committee on Economic Affairs) की संस्तुति मिलना हमारे लिए एक अच्छी बात है। इसके बाद हम सबकी यह जिम्मेदारी बनती है कि हमें अपनी पूरी लगन के साथ दिन–रात मेहनत करके इस परियोजना को समय पर पूरा करना होगा और अपनी उपस्थिति थर्मल के क्षेत्र में भी दर्ज करानी होगी।

जैसा कि आप सभी को विदित है कि जनवरी से मार्च 2019 का समय कॉरपोरेशन के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण व उपलब्धियों से परिपूर्ण रहा, जिसमें मुख्यतः अधिकारियों के वर्ष 1997 के वेतनमान की विसंगति एक लम्बी अवधि से चली आ रही थी को प्रधानमंत्री के स्तर की अनुमति के बाद सुलझ गयी है, जो हम हमारे लिए बहुत बडी उपलब्धि है।

टीएचडीसी के पर्यवेक्षकों व कर्मचारियों के वर्ष 2017 के वेतनमान भी इसी अवधि में लागू कर नये वेतनमानों के अनुसार भुगतान कर दिया गया है। इन नये वेतनमान को लागू करने मे टीएचडीसी प्रबन्धन के सहयोग के लिए टीएचडीसी पर्यवेक्षक व कर्मचारी संगठन बधाई के पात्र हैं।

आज हम सब के समक्ष अपनी–अपनी कार्य क्षमता के अनुसार कार्य निष्पादन का सुनहरा अवसर है। मैं आप सभी से अपेक्षा करता हूं कि आप अपनी क्षमता व कौशल का पूर्ण सदुपयोग करते हुए अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन करेंगे। **"योगः कर्मशु कौशलम्"** – अर्थात, अपने–अपने कार्य में कुशलता ही योग है। भगवान श्रीकृष्ण के इस कथन को हम सभी को अपनाने की आवश्यकता है।

कॉरपोरेशन मानव संसाधन विकास के क्षेत्र में अपनी पूरी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहा है। इसके अन्तर्गत अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए समय–समय पर विभिन्न तकनीकी व गैर–तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। इन कार्यक्रमों के आयोजन में विशेषकर यह ध्यान रखा जाता है कि हम अपने अधिकारियों व कर्मचारियों को समय की मांग के अनुरूप हर प्रकार के प्रशिक्षण प्रदान करें, जिससे उनकी कार्यकुशलता निरन्तर बढ़ती रहे। यहां पर मै आपको यह भी बताना चाहता हूं कि किसी भी कम्पनी के लोगो की क्षमता को मापने का पैमाना "लोग क्षमता परिपक्वता मॉडल" (People Capability Maturity Model) होता है और इसके पैमाना स्तर 1 से 5 तक है। हमारी कॉरपोरेशन ने "लोग क्षमता परिपक्वता मॉडल" के स्तर 3 को प्राप्त कर लिया है जो एक सराहनीय स्तर है।

कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्वों के क्षेत्र में भी हमारी कॉरपोरेशन बहुत प्रशंसनीय कार्य कर रही है। इस दौरान 07 मार्च 2019 को कृषक समूहों को फार्म मशीनरी हेतु रूपये 15 लाख की लागत से कृषि यंत्र उपलब्ध करायें गये। ऋषिकेश में तपेदिक से ग्रसित 15 असहाय निर्धन बच्चों को **"नन्द तू राजी रैया"** कार्यक्रम के अन्तर्गत पौष्टिक आहार की व्यवस्था के साथ अनेक सहायता सामग्री उपलब्ध करायी गयी। स्वस्थ भारत अभियान के अन्तर्गत टिहरी के डोब नगर तथा हरिद्वार के पथरी को हाइड्रोलिक ट्रैक्टर ट्राली सहित रूपये 43 लाख की सहायता सामग्री उपलब्ध करायी गयी।

इस अवधि मे कॉरपोरशन में अनेक अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम भी आयोजित किये गये इनमें कार्मिक कल्याण विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रमों का उल्लेख किया जा सकता है। जैसे, 12 से 15 जनवरी 2019 तक **"स्वस्थ भारत यात्रा"** के अन्तर्गत साईकिल रैली, अधिकारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों के लिए 20 से 27 फरवरी 2019 तक ध्यान शिविर का आयोजन इंटरनेशनल पिरामिड सेंटर ऋषिकेश के सहयोग से किया गया। दिनांक 01 मार्च 2019 को आदरणीय ब्रहम श्री पितामह पत्री जी द्वारा एक दिवसीय ध्यान योग कार्यशाला का आयोजन सभी कर्मचारियों हेतु किया गया। इस प्रकार के कार्यकर्मों के आयोजन से अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ ही उनके परिवार के सदस्यों को तनाव रहित जीवन जीने में सहायता मिलती है।

सधन्यवाद,

भवदीय

विजय गोयल

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया

खुर्जा सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट का शिलान्यास

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी व अन्य गणमान्य अतिथियों का स्वागत करते अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, टीएचडीसीआईएल श्री डी.वी. सिंह

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की महत्वाकांक्षी खुर्जा सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट, 1320 मेगावाट (660 मे.वा. x 2) को Public Investment Board (PIB) की मंजूरी के बाद 07 मार्च, 2019 को Cabinet Committee on Economic Affairs (CCEA) की संस्तुति मिली तथा परियोजना का शिलान्यास 9 मार्च, 2019 को माननीय प्रधानमंत्री, भारत सरकार श्री नरेन्द्र दामोदार दास मोदी के द्वारा ग्रेटर नोएडा उत्तर प्रदेश में आयोजित एक भव्य समारोह में किया गया। इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार श्री योगी आदित्यनाथ, माननीय केन्द्रीय मंत्री, भारत सरकार श्री महेश शर्मा, विद्युत सचिव, भारत सरकार श्री ए.के. भल्ला, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, टीएचडीसीआईएल श्री डी.वी. सिंह, निदेशक (तकनिकी) श्री एच.एल. अरोड़ा, निदेशक (कार्मिक) श्री विजय गोयल तथा कारपोरेशन के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि खुर्जा परियोजना उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में स्थित है। इस परियोजना पर निर्माण कार्य प्रगति पर है। परियोजना के लिए अमिलिया कोल माइन का आवंटन भारत सरकार द्वारा किया जा चुका है। परियोजना को पब्लिक इंवेस्टमेंट बोर्ड द्वारा संस्तुति मिल गई है। टीएचडीसी के व्यापार विविधीकरण की दिशा में यह एक मील का पत्थर साबित होगी। कोयले से विद्युत उत्पादन की दिशा में कारपोरेशन की यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

भारत सरकार को अंतरिम लाभांश

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2017–18 एवं 2018–19 की वित्तीय उपलब्धियों के आधार पर भारत सरकार को अंतरिम लाभांश रूपये 314.75 करोड़ माननीय केन्द्रीय ऊर्जा एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) भारत सरकार श्री आर.के. सिंह को टीएचडीसीआईएल के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक श्री डी.वी. सिंह द्वारा विद्युत मंत्रालय में 07.03.2019 को सचिव ऊर्जा श्री अजय कुमार भल्ला की उपस्थिति में प्रदान किया गया। इस अवसर पर महाप्रबन्धक (एनसीआर) श्री यू.सी. कन्नौजिया, महाप्रबंधक (एस.पी.) व अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश सरकार को अंतरिम लाभांश

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2017–18 एवं 2018–19 की वित्तीय उपलब्धियों के आधार पर उत्तर प्रदेश सरकार को अंतरिम लाभांश रूपये 108.36 करोड़ दिया। लाभांश का चेक टीएचडीसीआईएल के अध्यक्ष व प्रबन्ध निदेशक श्री डी.वी. सिंह द्वारा श्री अलोक कुमार (आईएएस), प्रमुख सचिव(ऊर्जा), उत्तर प्रदेश सरकार को लखनऊ में 27.03.2019 को प्रदान किया गया। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, भारत सरकार व उत्तर प्रदेश सरकार का संयुक्त उपक्रम है। इसमें भारत सरकार को 75 प्रतिशत तथा उत्तर प्रदेश सरकार की 25 प्रतिशत की सहभागिता है।

Secretary (Power), GoI visits

Sh. A.K. Bhalla is being greated by Sh. D.V. Singh & Sh. H.L. Arora

Sh. A.K. Bhalla holding a meeting regarding progress of the project

Sh. A.K. Bhaila, Hon'ble Secretary (Power), GoI and Sh. D.V. Singh, Chairman and Managing Director, THDCIL visited Dhukwan SHEP (3x8 MW=24 MW) on 24.03.2019. They were accompanied by Sh. H.L. Arora, Director (Technical) and Sh. R.K. Vishnoi, ED (Design). Sh. Harender Wadhwa, GM (Project) welcomed the above dignitaries and their respective spouses at Dhukwan SHEP.

ED (Design) made a short presentation on progress

Plantation activity

Dhukwan SHEP, Jhanshi

of the project followed by project visit starting from Dhukwan Weir, Approach Channel, HRC Intake, Spill Channel Power Intake & Power House. Sh. Bhalla expressed his gratitude and desired to make consistent efforts for planned commissioning of Unit- 1 by July 2019.

He assured all assistance from Govt. of India for timely completion of the Project. After site visit, saplings were also planted at Guest House premises of Dhukwan SHEP.

Site visit

MoU between THDCIL & PGCIL

THDC India Ltd. has entered into a Memorandum of Understanding (MoU) with Power Grid Corporation of India Limited (PGCIL), a Central Public Sector Undertaking on 28th March 2019 for "Diversion of 03 Nos. High Voltage Transmission lines of POWERGRID beyond boundary of Amelia Coal Mine Project of THDCIL" with an estimated cost of Rs. 100.63 Crores. Details of HT lines to be diverted are as follows:

1. 400 kV D/C Vindhachal - Jabalpur, Ckt # 3&4 Tr. Line.
2. 400 kV D/C Vindhyachal - Santa, Ckt # 1&2 Tr. Line
3. 400 kV D/C Vindhyachal - Santa, Ckt # 3&4 Tr. Line

The MoU was signed at THDC India Limited NCR Office Kaushambi (Ghaziabad) by Shri U.C. Karnaujia, Genral Manager (NCR), THDC India Ltd. and Shri Abhinav Verma, Sr. General Manager (Business Development), PGCIL

The Amelia Coal Mine, Singrauli, MP is alloted under the Coal Mines (Special Provisions) Act. 2015 to THDCIL by Ministry of Coal, GoI for the implementation of Khurja STTP (2x660 MV) at Bulandshahar (UP). THDCIL is committed for the development of the Mine is synchronization with the commissioning of Khurja STPP.

Shri Sanjay Singhal , AGM (Coal/Railway Sidding), Shri Vijay Kumar, DGM (Coal), Shri Gopal Garg, Sr. Manager (Coal) & Shri Manish Bokalia, Dy. Manager (Coal) from THDCIL and Shri L.B. Dubey, Chief Manager & Shri Sudhanshu Upadhyay, Asst. Manager from PGCIL were present on the occasion.

MOU between THDCIL Management & Workmen Unions

Determining the Wages and Benefits Structure for Workmen w.e.f. 01.01.2017

The revision of wages for the non executive grade in THDCIL was due from 01.01.2017. The first formal meeting of the wage negotiation committee and the representatives of the unions in connection to information sharing was held on 10.09.2018. Further meetings of the Wage Negotiation Committee were held on 20.12.2018, 21.02.2019 and 22.02.2019. After extensive deliberations, protracted discussion and negotiation a broad agreement on the wage structure has been reached on which Memorandum of Understanding between THDC India Ltd Management & Workmen Unions of THDC India Ltd was signed on 22.02.2019.

On behalf of the management of THDC India Ltd , Shri A.B. Goel, GM(F&A), Shri N.K. Prasad, AGM (P&A), Shri Veer Singh, AGM (P&A), Shri B.K. Sinha, DGM (P&A), Shri Ajay Kumar, DGM (F&A), Dr. A.N. Tripathy , DGM(P-Policy) and Shri Mukesh Verma , Sr. Manager (IR) were signatory to the MOU.

On behalf of the Workmen Unions of THDC India Ltd following were signatory to the MOU

THDC Workmen Union Representatives

- Shri Y.B. Bhandari
- Shri Ramchandra Rawat
- Shri Veer Singh Rawat
- Shri Govind Singh Raj
- Shri J.P. Semwal
- Shri K.L. Vyas
- Shri Vinod Uniyal

THDC Shramik Sangh

- Shri Anand Singh Rawat
- Shri Sanjeev Vishnoi
- Shri Kuldeep Singh Rawat
- Shri B.D. Joshi
- Shri Rajesh Raturi
- Shri Ram Sewak
- Shri Jaswant Singh Rawat
- Shri Deshraj Thakur

THDC Helper/ Chalak Karamchari Union

- Shri Trilok Singh Rawat
- Shri Krishn Pal Singh Bisht
- Shri Surender Singh Negi

THDC ITI Takniki Karamchari Sangh

- Shri Jyoti Ram Dangwal
- Shri Sajid Hassan
- Shri Rajender Kumar

Tehri Jal Vikas nigam limited Karamchari Union

- Shri Yogesh Pal
- Shri Khalil Rehman

मुख्य सतर्कता अधिकारी का टिहरी व कोटेश्वर परियोजना दौरा

26 मार्च 2019 को टीएचडीसीआईएल के मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री बी.पी.गुप्ता टिहरी परियोजना का निरीक्षण करने के लिए टिहरी पहुचें। अतिथि गृह पहुँचने पर अधिशासी निदेशक (टी.सी.) श्री एस. आर. मिश्रा ने गुलदस्ता प्रदान कर श्री गुप्ता का स्वागत किया। इस अवसर पर महाप्रबन्धक (पी.एस.पी) श्री के.पी. सिंह, महाप्रबन्धक (स्टेज प्रथम) श्री यू.के. ठाकुर, अपर महाप्रबन्धक (कार्मिक व प्रशासन) श्री वीर सिंह, महाप्रबन्धक (सतर्कता) श्री कुमार शरद, उप महाप्रबन्धक (सतर्कता) श्री आर.पी. रंगा आदि उपस्थित रहे।

मुख्य सतर्कता अधिकारी ने टिहरी एच.पी.पी. के विभिन्न कार्य स्थलों व टिहरी जलाशय, भुमिगत पावर हाउस तथा अन्य कार्य स्थलों का निरीक्षण किया। निर्माणधीन टिहरी (पी.एस. पी) में चल रहे निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करके कार्य में प्रगति की जानकारी ली। महाप्रबन्धक ओ.एण्ड एम. श्री सजीव आर. ने भूमिगत पावर हाउस तथा विद्युत उत्पादन, मशीनों के रखरखाव से सम्बन्धित तकनीकी जानकारी मुख्य सतर्कता अधिकारी को उपलब्ध कराई। श्री बी.पी. गुप्ता ने 28 मार्च, 2019 को कोटेश्वर परियोजना का निरीक्षण किया।

महाप्रबंधक परियोजना श्री ए.के. अग्रवाल व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने श्री गुप्ता का स्वागत किया। श्री गुप्ता ने परियोजनाओं के निर्माण कार्यों एवं इनसे विद्युत उत्पादन की सराहना की।

इस अवसर पर श्री डी.एस. गुसाई, श्री एम.के. राय श्री अभिषेक गौड़, श्री ए.आर. गैरोला, श्री एस.के साहू, श्री एस. एस. पंवार, श्री वाई. एस. राठौर सहित टीएचडीसी के अनेक अधिकारी उपस्थित रहे।

"Quote-
Unquote"

"Live as if you were to die tomorrow. Learn as if you were to live forever."

Mahatma Gandhi

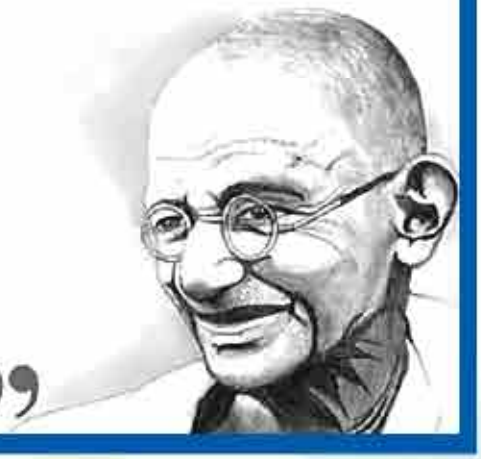

पर्वतारोही बेटी सुश्री अमीषा चौहान टीएचडीसी द्वारा प्रोत्साहित

टीएचडीसीआईएल ऋषिकेश के कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सी.एस.आर.) के अंतर्गत उत्तराखंड की बेटी सुश्री अमीषा चौहान के माउंट ऐवरेस्ट अभियान पर जाने के अवसर पर श्री एच.एल. अरोड़ा (निदेशक तकनीकी) श्री शैलेन्द्र सिंह महाप्रबंधक (सी.एस.आर.) ने पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत किया। इस अभियान में आने वाले व्यय में सेवा –टीएचडीसी द्वारा कुल रूपये 3.00 लाख योगदान दिया गया। पर्वतारोही सुश्री अमीषा चौहान ने 29 मार्च 2019 को ऐवरेस्ट विजय अभियान शुरू किया। सुश्री चौहान ने अपनी उच्च शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात मात्र 02 वर्ष के अंतराल में अफ्रीका महाद्वीप की सबसे उंची चोटी मॉउंटकिल्ल मंजारों एवं यूरोपीय महाद्वीप की सबसे उंची चोटी मांउन्ट एलब्रीज को सफलता पूर्वक फतह कर लिया है। 29 मार्च से अमीषा पुनः किसी भी पर्वतारोही के सबसे बड़े स्वप्न माउंट ऐवरेस्ट फतह की अभियान पर है।

श्री एच.एल. अरोड़ा, निदेशक (तकनीकी) सुश्री अमीषा चौहान को प्रोत्साहित करते हुए

श्री अरोड़ा एवं श्री सिंह ने सुश्री चौहान को शुभकामानाओं के साथ उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर श्री पी.के. नैथानी श्री डी.एल.भट्ट, श्री राजेश्वर गिरि, श्री सुनील साह, श्री विपिन थपलियाल, श्री नरेश बहुगुणा, श्री अनिल भट्ट, श्री सूरज अग्रवाल, श्री ओमवीर एव अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

THDC bagged CSR Innovation & Leadership Award - 2019

वर्ष 2018 में भारत में कार्यरत विभिन्न संस्थानों के अभिनव एवं उत्कृष्ठ सीएसआर कार्यों को सम्मानित करने हेतु 01 अप्रैल 2019 को पीएचडी चैम्बर, नई दिल्ली में इंडिया सीएसआर पुरस्कार – रिकॉगनाईजिंग सीएसआर इनोवेशन एण्ड लीडरशिप समारोह का आयोजन किया गया।

उक्त कार्यक्रम में टीएचडीसी को टिहरी जनपद में उत्तराखंड स्वास्थ विभाग के साथ संयुक्त रूप से चलायी जा रही 'टेलीमेडिसन' परियोजना हेतु सम्मानित किया गया। टेलीमेडिसन तकनीक में स्वास्थ्य उप केन्द्रों में चिकित्सा हेतु आने वाले मरीजों की जॉच रिपोर्ट विशेषज्ञ चिकित्सकों को इन्टरनेट के माध्यम से लाईव वीडियों कॉल के माध्यम से प्रेषित की जाती है। रिपोर्ट की जॉच करने पर चिकित्सक ऑन लाईन ही स्वास्थ्य उप केन्द्र में तैनात फार्मेसिस्ट/तकनीशियन को मरीज की बीमारी के अनुरूप दवा की जानकारी देता है। टीएचडीसी द्वारा वर्तमान में ऐसे कुल 20 केंद्र चलाये जा रहे हैं। शीघ्र ही 20 अन्य केंद्र चलाये जाने के लिये कार्यवाही गतिमान है।

निगम की ओर से इस सम्मान को श्री शैलेंद्र सिंह, महाप्रबन्धक (सामाजिक एवं पर्यावरण) द्वारा प्राप्त किया गया।

टीएचडीसी महिला क्लब

होली मिलन

20 March 2019, Rishikesh

Sports Day

17 January 2019, Rishikesh

की मनोरंजक गतिविधियाँ

Movie Screening

31 January 2019, Rishikesh

International Women's Day

08 March, 2019

टिहरी में धूमधाम से मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

08 मार्च 2019 को टिहरी में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय सांस्कृतिक परम्परा के अनुसार अधिशासी निदेशक (टी.सी.) श्री एस आर. मिश्रा, महाप्रबन्धक (पी.एस.पी.) श्री के. पी. सिंह, महाप्रबन्धक (पी.एस.पी./ई.एम.) श्री एस. एस. पंवार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी श्रीमती नवनीत किरन, श्रीमती नमिता डिमरी द्वारा द्वीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। कार्यक्रम में पुलवामा में शहीद हुए वीर जवानों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम की संयोजिका श्रीमती नवनीत किरन ने श्री मिश्रा का स्वागत किया तथा महिला दिवस, महिलाओं के विकास, सुरक्षा, सशक्तिकरण के बारे में अवगत कराया। श्री मिश्रा ने महिलाओं को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि आज पूरे विश्व में महिलाओं द्वारा विभिन्न कीर्तिमान स्थापित किये जा रहे हैं। देश की महिलाओं ने आजादी से लेकर अब तक विभिन्न क्षेत्रों में आगे आकर देश का प्रतिनिधित्व किया है और कर रहीं हैं। उन्होंने भारत की प्रसिद्ध महिलाओं के योगदान से प्रेरणा लेने की बात कही। श्री मिश्रा ने बताया कि सरकार द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण, सुरक्षा, उत्थान एवं विकास के लिए विभिन्न प्रकार की योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। हमारे देश की महिलाओं को इन योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए।

इस अवसर पर टीएचडीसी की महिलाओं ने विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। देशभक्ति, पंजाबी, गढ़वाली आदि गानों के साथ नृत्य प्रस्तुत किये। डॉ. कीर्ति कुमारी वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र रानीचौरी टिहरी गढ़वाल एवं सुश्री सृष्टि चौहान स्वर्ण पदक विजेता नेशनल किक बॉक्सिंग चैम्पियनशिप 2019 द्वारा महिला सुरक्षा सशक्तिकरण पर व्याख्यान दिया गया। इस अवसर पर डॉ. श्रीमती कुसुम त्रिवेदी, श्रीमती नीरज सिंह, श्रीमती स्वाती व्यास, श्रीमती सुभी माहेश्वरी, श्रीमती ज्योति मीणा, श्रीमती प्रियंका, श्रीमती सरला डबराल, श्रीमती साधना त्यागी, श्रीमती अल्का, श्रीमती बसंती सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती नीरज सिंह द्वारा किया गया। डॉ. श्रीमती नवनीत किरन ने कार्यक्रम के समापन पर महिला दिवस के आयोजन के लिए प्रबंधन वर्ग का आभार व्यक्त किया।

International Women's Day at HRD Rishikesh

On the Occasion of International Women'sday, Corporate HRD organised a Women Empowerment program titled "Empowering the Woman in You" for a mix group of Women Executives and Non- Executives posted at Rishikesh . The theme for the International Women's day,2019 was "Think Equal, Build Smart, innovate for Change". The theme focussed on Innovative ways in which we can look forward towards gender equality and the Empowerment of Women. Ms. Rashmi Wadhwa, a Practising Psychologist & Corporate Trainer was the

Resource person of the program. She encouraged the women employees to broaden their horizons and deliberated on the issues & Challenges related to Women.

महिलाओं के लिए तनाव प्रबंधन पर ट्रेनिंग प्रोग्राम

टीएचडीसी के टिहरी में 18 फरवरी 2019 को एक दिवसीय तनाव प्रबंधन (Stress Management) कार्यशाला का आयोजन किया गया। परी फाउंडेशन देहरादून से संकाय सदस्य डॉ. गोपाल सोनामनी ने अपने व्याख्यान में बताया कि महिलायें दोहरा दायित्व निभाती हैं। उन्होंने घर एवं कार्यस्थल पर सामंजस्य बिठाने एवं तनाव को कम करने लिए टिप्स दिए। इस कार्यक्रम में इंटर्नल कम्पलेंट कमेटी (आई.सी.सी.) एवं (WIPS) की आतंरिक सदस्य डा. नवनीत किरन, कु.श्वेता सिंह, श्रीमती सरला डवराल, श्रीमती नीरज सिंह सहित 43 महिलाओं ने भाग लिया।

राष्ट्रीय उत्पादकता

कारपोरेशन के कॉरपोरेट कार्यालय ऋषिकेश, परियोजना कार्यालय टिहरी, कोटेश्वर एचईपी, वीपीएचईपी, दुकवां, खुर्जा एसटीपीपी, सम्पर्क कार्यालय कौशाम्बी में 12 से 18 फरवरी 2019 तक राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह आयोजित किया गया। इस दौरान अनेक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किये गये।

ऋषिकेश

राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह का शुभारम्भ श्री मुहर मणि, महाप्रबन्धक (ओ.एम.एस.,क्यु.ऐ एवं सुरक्षा), ऋषिकेश द्वारा किया गया। इसके उपलक्ष्य में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। 13 फरवरी 2019 को एक विशेष वार्ता एवं प्रस्तुतीकरण (Presentation) का आयोजन किया गया। एक सेमिनार भी आयोजित किया गया। श्री एस.पी.सिंह, सचिव (उत्तराखंड उत्पादकता परिषद) द्वारा "उत्पादकता एवं सततता के लिये सरकुलर इकोनॉमी" (Circular economy for Productivity & Sustainability) पर व्याख्यान दिया गया।

इस अवसर पर श्री एन.के. प्रसाद, अपर महाप्रबन्धक (का. एवं प्रशा.), श्री एस.के. शर्मा, अपर महाप्रबन्धक (ओ.एम. एस.), श्री ए.एस.वर्मा, श्री ए.के. सिंह, श्री मुकेश वर्मा, श्री सुधीर कुमार लखेड़ा आदि उपस्थित रहे। विभिन्न आयोजित प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को महाप्रबन्धक (संविदा) श्री संदीप सिंघल द्वारा पुरस्कृत किया गया।

टिहरी

उत्पादकता सतर्कता समारोह टिहरी परियोजना कार्यालय में कार्यरत अधिकारियों व कर्मचारियों तथा स्कूल के बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। Circular Economy for Productivity and Sustainability विषय पर आयोजित वार्ता में केन्द्रीय गढ़वाल विश्वविद्यालय बादशाहीथौल के एसोसिएट प्रोफसर श्री के.के. वर्मा ने व्याख्यान दिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागी

कार्मिकों एव छात्र–छात्रओं को अधिशासी निदेशक (टी.सी) श्री एस.आर. मिश्रा ने पुरस्कृत किया।

इस अवसर पर महाप्रबन्धक (ओ.एंड.एम.) श्री सजीव आर. महाप्रबन्धक स्टेज (प्रथम) श्री यू.के.ठाकुर, उपमहाप्रबंधक (विद्युत) श्री वी.के.शर्मा वरि प्रबन्धक (का. एवं प्रशा.) श्री एस.वी. प्रसाद, उपप्रबन्धक मनबीर सिंह नेगी सहित अनेक अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

सप्ताह का आयोजन

खुर्जा एसटीपीपी

खुर्जा सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट में 12 से 18 फरवरी 2019 तक राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह मनाया गया जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसका शुभारम्भ श्री एस.पी. सिंह महाप्रबन्धक (परियोजना) द्वारा किया गया।

श्री सिंह ने पर्यावरण संरक्षण पर प्रकाश डाला। रीसायकल किये जाने वाली वस्तुओं के प्रयोग करने तथा प्लास्टिक से बने थैले का व अन्य वस्तुओं के प्रयोग में न लाने पर जोर दिया। श्री सिंह ने कपड़े के बैग घरेलु समान लाने –ले जाने हेतु कर्मचारियों एवं अधिकारियों को वितरित किये तथा प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागियों को पुस्स्कृत किया।

वीपीएचईपी

विष्णुगाड पीपलकोटी एचईपी अलकनन्दापुरम, सियासैण कार्यालय में दिनांक 11 से 16 फरवरी 2019 तक उत्पादकता सप्ताह मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ उपमहाप्रबंधक (का. एवं प्रशा.) श्री बी. के. सिंह द्वारा किया गया। उत्पादकता सप्ताह में नारा एवं निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कर्मचारियों व अधिकारियों ने बढ़–चढ़ कर प्रतिभाग किया।

कौशाम्बी कार्यालय

सम्पर्क कार्यालय कौशाम्बी में 12 से 18 फरवरी 2019 तक राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह आयोजित हुआ जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसका शुभारम्भ श्री यू.सी. कनौजिया महाप्रबन्धक (एसपी) द्वारा किया गया। Circular Economy for Productivity and Sustainability विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन 18 फरवरी को किया गया। इससे पहले 13 फरवरी को नारा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। श्री कनौजिया ने अर्थव्यवस्था के विकास में उत्पादकता सप्ताह के योगदान के विषय में बताया तथा इस दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर श्री एस.एम. सिद्दकी तथा श्री आर.के. मीना आदि उपस्थित रहे।

THDCIL's focus of CSR activities is Holistic Development

Sh. Shailendra Singh, GM (S&E), right, and Sh. K.D. P. Dubey, Sr. Mgr. (CC/PR) during discussion

Sh. Sailendra Singh GM (S&E) highlighted the important activites of Social and Environment Department with special focus on Corporate Social Responibility (CSR) of THDCIL during discussion with Sh. Kapil Deo Prasad Dubey, Sr. Manager (Corporate Communication) on a cup of tea.

The discussion hightlights the concept and history of CSR, journey of CSR, on goving activities and future plans under CSR of THDCIL, role of SEWA-THDC and other NGO's as well as various environmental issues and its management etc. The Interview in detail follows as under:-

Q. Kindly highlight in brief the concept of Corporate Social Responsibility (CSR).

Ans. Corporate Social Responsibility (CSR) has always been an integral part of Indian civilization with varying names in one and other forms in different times, cultures, religions, province etc. The word "CSR" started emerging among business houses in last few decades as business strategies worldwide. It is basically a Company's commitment to operate in an economically, socially and environmentally sustainable manner, while recognizing the interests of its stakeholders. Similarly, some of the business houses were practicing CSR in India of their own in the form of philanthropic activities, but it got momentum with the issue of guidelines related to CSR, Community & Sustainable Development by Department of Public Enterprises, GoI in April, 2010 onwards for profit making organizations including public sector enterprises.

As a socially responsible organization, THDCIL started its CSR journey prior to DPE Guidelines in the year 2007 with philanthropic activities like distribution of Sweaters, items of community utility such as utensils, chairs and tents etc. in Tehri Project affected villages. Gradually, it took structured shape with learning by experience and subsequent CSR related guidelines and charitable activities turned into sustainable livelihood activities to make villagers self sustained in long run. Now THDCIL has a well structured CSR & sustainability Policy-2015 in place conforming to Companies Act- 2013 and subsequent guidelines for guiding its CSR program.

Q. What is the role of your department in fulfilling CSR as well as environmental & other social responsibilities of the organization?

Ans. Social & Environment Department acts as an interface between the organization and stakeholders such as the society and the Govt. in true sense. It is basically a reflection of organization's human face while dealing in CSR and responsible corporate entity while ensuring minimal adverse environmental impacts of its business operations on project surroundings. THDCIL has huge stakeholder base i.e. Govt., elected public representatives and around 400 surrounding villages of Tehri project and relocation sites in district Haridwar and Dehradun. Accordingly, the pressure of stakeholder aspiration is huge and is a major challenge to accommodate within the limited CSR fund. The responsibility of S&E Deptt. not ends here but further extends to align its CSR programme with company's business operation as strategic CSR.

Awareness towards social and environmental issues has

# of Targeted Communities

increased rapidly in present times. Project developers have pressure from funding agencies and Govt. Agencies to follow global practices as well as meeting expectations towards legal & regulatory requirements. Creation of hostile atmosphere against the developmental projects by some of the NGOs & other organizations for vested interests and gaining popularity is a bitter truth these days, which often misleads the stakeholders/ regulatory authorities and ultimately results in time and cost overrun. Almost every major project has to undergo a tiring & repetitive process of legal & technical examinations before coming on the ground. In above circumstances, role of S&E Deptt. becomes more sensitive & crucial to satisfy all stakeholders without compromising commercial interests of the organization.

The department has a lead role in dealing with Environmental and Rehabilitation & Resettlement (R&R) issues and remains closely associated with all phases of project development right from obtaining statuary clearances, policy formulation, preparation of Environment Impact Assessment reports & implementation of Environment Management and R&R Plans, their monitoring and acting as an interface for communicating between the projects and regulatory bodies including reporting.

Q. Let us know the budget of the S&E Department especially for CSR as well as Environment and its utilization by highlighting the important works done so far in these fields.

Ans. As per Companies act 2013 and THDCIL CSR & Sustainability Policy-2015, we are bound to allocate 2% of company's average net profit of immediately preceding three years for CSR activities. The annual CSR budget for FY 2018-19 was Rs. 17.35 Cr. and tentative budget for FY 2019-20 is Rs. 20 Cr. approx. Our CSR budget is not sufficient to meet huge aspirations of stakeholders. Hence, additional fund requirement is being met by converging various Govt. schemes and partnering with likeminded organizations. THDCIL's focus of CSR activities is holistic development of targeted communities rather than addressing needs of the stakeholders in piecemeal with special emphasis on promoting education, health, skill and rural/agriculture based livelihood sectors.

Whereas, budget provision for implementation of environment and rehabilitation & resettlement action/ management plans is mainly made in the DPR of respective projects. However, budgetary provision for pre DPR activities like impact assessment and other studies and preparation of action/management plans is made at corporate level.

Our flagship CSR projects are:

- Established "THDC Institute of Hydro Power Engineering & Technology" at a cost of Rs. 60 Cr., which caters around 1400 students in different disciplines & years of engineering.
- Running three schools at Tehri, Koteshwar and Rishikesh having 876 students with free of cost uniform, books & stationary, bus service, mid day meal etc. at an annual cost of approx. Rs. 6 Cr.
- Running three long term holistic development projects in more than 70 villages of Tehri Project affected villages through reputed Govt. Universities.
- Successfully completed solar based lighting project in UP & Uttarakhand (170 Solar High Mast Lights and 375 Solar Street Lights in Unnao & Lucknow Cantt and Sitarganj).
- Implemented ambitious LED based lighting project in Ganga Ghat areas Rishikesh at a cost of Rs. 5.67 Cr

comprising installation of 16 new high mast lights, repair & conversion of 6 old high mast lights & 136 conventional street lights into energy efficient lights and beautification of Laxman Jhula, Ram Jhula & Parmarth in Swargashram area and Shiv Murti, Chariot & Fountain at Triveni Ghat with façade lights.

- Established Credit Cooperative Society at Lambgaon, Tehri exclusively for women with seed money of Rs. 10 lac for meeting their small livelihood related credit needs.
- Supported 156 Govt. schools of district Tehri with furniture for facilitating seating to more than 7000 students & other electronic educational aids in the FY 2017-18.

- Running an Allopathic Dispensary in remotest village Deengaon of district Tehri since 2014 with MBBS Doctor & paramedical staff, minor OT, X-ray, pathology, on call ambulance and free medicine etc. benefiting more than 15000 population of surrounding 40 villages.
- Established 28 (3 in village Pathri, Haridwar and 25 in different villages of district Tehri) Farm Machinery Banks for agriculture equipments pooling converging Govt. scheme.
- Established 20 telemedicine centers in remote villages of district Tehri leveraging technological advancement. Process of establishing 20 more centers is underway.
- Toilet construction.
- SC/ST hostel at NTT.
- Hostel at ITI Chamba.
- Supporting ANM trainees, ITI trainees and HM trainees.

Major achievements in the field o Environment protection and its up gradation

- Every action counts when the topic is environment. Our team at project is implementing various project specific activities across various project locations. Major achievements accomplished so far are in Tehri Power complex, which includes treatment of 52,204 ha degraded forest land under Catchment Area Treatment Plan, Development of Botanical Garden in an area of 14.28 ha. adjacent to the Tehri Reservoir and development of Mahseer fish hatchery at village Khand near Koteshwar Project having capacity of producing 3 lakh fingerlings per annum. Similarly, some project specific measures have been proposed in VPHEP and are under progress. As an innovative feature, online monitoring system of Rehabilitation Action Plan has been successfully added to VPHEP.

Q. Highlight in brief the role of different important NGOs associated with the organization in fulfilling the targets of CSR.

Ans. As a matter of principle, THDCIL gets its all CSR programmes implemented through company sponsored society "SEWA-THDC" except two schools at Tehri and Rishikesh being run through another company sponsored society "THDC Education Society (TES)". SEWA-THDC further engages different prestigious Universities, Govt. Deptts. and NGOS for execution of the projects as per their strength and area expertise. Universities have been preferred for implementation of long term holistic development projects covering more than 70 villages to have research based approach for improved practices. Infrastructure projects are preferably being implemented through Govt. agencies having mandate and technical competencies for similar works. While, NGOs are engaged for implementation of people centric CSR projects based on their strength, experience and track record.

Q. Let us know the important future plans being undertaken in the fields of CSR and Environment.

Ans. The focus of CSR in future is on livelihood enhancement through watershed treatment projects, and farmer centric activities like establishment of farm machinery banks, promotion of off seasonal vegetable through poly house, dairy farming etc. under convergence model. Extension of health services is another thrust area for future CSR intervention both in terms of quantity and quality. Coverage of allopathic treatment facility is to be extended to new remote areas through telemedicine project. For quality treatment, AIIMS, Rishikesh has been roped in for multispecialty medical camps and specialized treatment requirements for patients identified in above camps and their follow up by MSWs & Nurses etc.

In the field of environment also, we have various future plans in the pipeline for improving waste management practices, organizing plantation drives at various THDCIL locations, organizing mass awareness sessions (organizing competition among students on various environment related themes, Environment Day celebrations etc.), developing environment compliance reporting calendar throughout THDCIL offices etc.

Our plans are dynamic and flexible in nature and have adaptability for execution with changing priorities.

Q. There were various environmental issues in the way of Tehri HEP, other ongoing projects and still in the way of projects under consideration. How were these issues handled and to be handled in future?

Ans. **Noody wants power projects but everybody wants Electricity. The list of the Environmental issues is endless. They all are not necessarily aroused out of environment concern only but have touch of public sentiments or social belief also. Such issues further added moral pressure on decision makers, experts and project developer to consider remedial measures not from scientific angle only but to address the public sentiments at the same time. Some of the prominent issues faced during the construction of Tehri Dam are Aviral Dhara (Free flowing water from the river Bhagirathi) and maintaining self purification capacity of River Bhagirathi etc. These issues were addressed with the involvement of various high level committees and institute like NEERI Nagpur. In Tehri HPP, continuous and uninterrupted discharge is being maintained downstream Tehri reservoir by an Aviral Dhara having discharge of 1 cumec. Regarding self preservation property of river Bhagirathi/ Ganga, NEERI revealed that Tehri Dam is not likely to affect the quality as it mimics like a static container which is conducive for conditions responsible to maintain the water quality.**

The various ongoing projects and proposed projects are facing bigger issues. The World Bank funded VPHEP has been subject to series of issues due to which the Forest Clearance was obtained in the year 2013, i.e. more than Six years even after the grant of Environment Clearance in 2007. We have been contesting several cases before the National Green Tribunal (NGT) and Hon'ble Supreme court. We are trying to implement the best management practices at sites and handling issues with utmost priority and care.

Proposed projects like Jhelam-Tamak HEP in District Chamoli has been withheld due to the embargo put upon by Hon'ble Supreme Court towards grant of any new Environment and Forest Clearance to HEPs in the Ganga Valley. We are making regular follow ups to address upon the issues. Recently, we have completed a Comprehensive Biodiversity Management Plan for the Jhelam-Tamak HEP as per the requirements made by the Expert Appraisal Committee, MoEF & CC, GoI.

Q. To what extent the corporation has fulfilled the aspirations of the beneficiaries by the CSR initiatives?

Ans. To be close to the public aspirations, comprehensive baseline & need assessment studies are conducted in the business operation areas through various reputed experts/agencies before launching CSR programmes. Accordingly, CSR plans are developed by prioritizing needs and through PRAs for intervention considering necessity and availability of funds. Public aspirations are more in remote areas due to difficult terrain, poor accessibility & infrastructure facilities, insufficient public amenities w.r.t. health, education etc. and less livelihood opportunities, hence THDCIL decided to begin with the remotest part first.

Q. Let us know about the awards received so ever in the field of CSR and Environment.

Ans. THDCIL's CSR efforts have been acknowledged at various prestigious forums. The organization has so far been honored and conferred with following awards / accolades of CSR field-

- Presented with "SCOPE (Standing Conference of Public Enterprises) Meritorious Award for CSR 2010-11".
- President of India presented Gold Trophy to the CMD THDCIL, on April 13th, 2012 on the Occasion of Public Sector Day, at Vigyan Bhawan, New Delhi.
- THDCIL also won "IPE (Institute of public Enterprise) award".
- "Universal Excellency Award" by Aqua Foundation in Dec, 2013.
- MOP also felicitated THDC for timely completion of toilet construction work under "Swach Vidyalaya Abhiyan".
- Award for innovative CSR practices by the "World CSR Congress" in 2016.
- CSR Community Initiative Award in May, 2017.
- India CSR Awards – Recognizing CSR Innovation and Leadership on 1st April, 2019.

परहित सरिस धरम नहिं भाई।
पर पीड़ा सम नहिं अधमाई।।
– रामचरित मानस

जैसा बोना वैसा पाना – You reap what you sow

आत्मापराधवृक्षस्य फलान्येतानि देहिनाम्।
दारिद्रयरोग दुःखानि बन्धनव्यसनानि च।।
– आचार्य चाणक्य

Poverty, disease, sorrow, imprisonment and bad habits – all are the fruits of the karma. You get what you sow.

Paper Presented in IEEE PES GTD Asia, 2019

A paper titled " Challenges in Reliable Power System Planning and Management with Large Scale Infusion of Renewable sources in India" jointly authored by Sh. R.K. Vishnoi, ED (Design) and Sh. L.P. Joshi, GM (EM-Design) was accepted for inclusion in the proceedings of IEEE PES GTD Asia, 2019. The paper was presented by Sh. L.P. Joshi, GM (EM-Design) on 21st March, 2019 in the international conference and exposition held at Bangkok International Trade and Exhibition Centre, Bangkok, Thailand. The paper outlines challenges involved with the large-scale infusion of renewable sources into Indian power system and possible solutions for managing its variability.

IEEE is the world's largest technical professional organization dedicated to advancing technologies. It is the most prestigious institution producing over 30% of the world's literature and standards in all aspects of electrical, electronics and computing fields. The guidelines and best practices issued by IEEE are extensively used by sector professionals during design and engineering of electromechanical equipment. The papers on latest trends in power generation techniques, utility and grid of the future were presented in the conference by various international experts.

टिहरी बांध परियोजना इंटर मीडिएट कॉलेज में छात्रों द्वारा प्रदर्शनी

टिहरी में 4 फरवरी 2019 को टिहरी बांध इन्टर कालेज भगीरथीपुरम् विद्यालय में छात्र–छात्राओं ने विभिन्न विषयों पर आधारित एक प्रर्दशनी का आयोजन किया। इसका उद्घाटन श्री वीर सिंह अपर महाप्रबन्धक (का. एवं प्रशा.) द्वारा किया गया। विद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा विज्ञान, कला, चिकित्सा, गणित, होम सांइस, हिन्दी, संस्कृत एंव योग से सम्बन्धित विषयों पर विभिन्न प्रकार के मॉडल बनाये गये। श्री सिंह ने प्रर्दशनी का अवलोकन करते हुए कहा कि संसाधनों की कमी होते हुए भी कड़ी मेहनत से संसाधन जुटा कर छात्र–छात्राओं ने अच्छे माडलों का निर्माण किया है।

माडलों की सराहना करते हुए उन्होंने छात्र–छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा भविष्य में भी ऐसे आयोजनों पर जोर दिया।

ऑफिसर्स क्लब द्वारा होली मिलन

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ऑफिसर्स क्लब ऋषिकेश द्वारा ऑफिसर्स क्लब प्रांगण में होली मिलन हर्षोल्लास से मनाया गया। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री डी.वी. सिंह, निदेशक (तकनीकी) श्री एच.एल. अरोड़ा एवं निदेशक(कार्मिक) श्री विजय गोयल ने टीएचडीसी के अधिकरियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवारों के लोगों को होली की शुभकामनाएं दी। सभी ने जमकर होली खेला।

सी एस आर एंड सस्टेनेबिलीटी संवेदीकरण पर कार्यशाला

टीएचडीसीआईएल की संचार रणनीति के अंतर्गत आंतरिक हितधारकों हेतु "सी.एस.आर. एंड संस्टेनेविलीटी संवेदी करण" विषय पर 12 व 13 फरवरी 2019 को भागीरथी पुरम टिहरी में तथा 14 व 15 फरवरी 2019 को कोटेश्वर पुरम में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। टिहरी में कार्यशाला का शुभारंभ श्री राजेश्वर गिरि उप महाप्रबन्धक (सामाजिक) के द्वारा किया गया।

वाह्य विशेषज्ञों Dr. Rinku Sanjeev, Asstt. Prof. (HR), Symbiosis Centre for Management Studies, NOIDA and Dr. Teena Saharan, Asstt. Prof. (HR), University of Petroleum & Energy Studies (UPES) Dehradun द्वारा टीएचडीसी की संचार रणनीति, कम्पनी एक्ट 2013, और सी.एस.आर. नीति व इसके अंतर्गत कारपोरेशन में टिहरी व कोटेश्वर तथा अन्य कार्यालयों द्वारा किए जा रहे कार्यों पर विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। कार्यक्रम का समापन सामाजिक विभाग के पर्यावरण अधिकारी श्री सी.पी. भद्री एवं डा. रिंकू संजीव एवं डा. टीना साहरन द्वारा किया गया।

ब्रेस्ट कैंसर के प्रारंभिक लक्षणों की स्वयं के द्वारा जाँच हेतु ट्रेनिंग व जाँच शिविर

07 फरवरी, 2019 को रसमंजरी ऋषिकेश में ब्रेस्ट कैंसर के प्रारम्भिक लक्षणों की स्वयं के द्वारा जाँच हेतु ट्रेनिंग व जाँच शिविर का आयोजन किया गया। इसका शुभारम्भ श्रीमती प्रेमलता धर्मपत्नी निदेशक (तकनीकी) व श्रीमती मुदिता गोयल धर्मपत्नी निदेशक (कार्मिक) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

प्रशिक्षण के बाद ग्रुप फोटोग्राफ

डॉ. बीना रविकांत इंजार्च ब्रेस्ट कैंसर विभाग अखिल भारतीय आर्युविज्ञान संस्थान ऋषिकेश की टीम द्वारा एक ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित किया गया। इसके उपरांत जांच शिविर का आयोजन सिनर्जी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस देहरादून के सहयोग से किया गया। इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक महिलाओं ने तथा टीएचडीसी हाई स्कूल प्रगतिपुरम ऋषिकेश में अध्ययनरत् कक्षा 7 से कक्षा 10 की सभी क्षात्राओं ने भाग लिया।

कोटेश्वर एचईपी में चिकित्सा शिविर

टीएचडीसी के कोटेश्वर एचईपी के तत्वाधान में हिमालयन हॉस्पिटल के विषेशज्ञ चिकित्सकों के सहयोग से एक नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

श्री पी. के. अग्रवाल महाप्रबन्धक (परियोजना) ने चिकित्सा शिविर का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित करके किया तथा सभी लोगों से इस शिविर का लाभ उठाने का आह्वान किया। शिविर में चिकित्सकों द्वारा परियोजना क्षेत्र के ग्रामीणों, परियोजना के कर्मचारियों एवं सी.आई. एस.एफ. के जवानों के विभिन्न रोगों की जांच कर चिकित्सा परामर्श के साथ ही निशुल्क दवा का वितरण किया गया। कैम्प में 144 मरीजों की जांच की गयी। डा. जी. श्रीनिवास, मुख्य चिकित्साधिकारी टीएचडीसी, श्री ए. के. धिल्डियाल, अपर महाप्रबन्धक (विद्युत), हिमालयन हास्पिटल से डा. श्वेता चौहान, डा. शयद सिराहा, नेत्र रोग विषेशज्ञ के अलावा श्री विजेन्द्र भटट, तकनीशियन आदि मेडिकल कर्मचारी उपस्थित थे।

"To ensure good health: eat lightly, breathe deeply, live moderately, cultivate cheerfulness, and maintain an interest in life."

टिहरी पावर हाउस में सी.आई.एस.एफ. ने की मॉक ड्रिल

30 जनवरी 2019 को टिहरी पावर हाउस में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस दौरान कारपोरेशन के विभिन्न विभागों के कार्मिक अपने–अपने तैनाती स्थलों पर तैनात थे। जब अचानक EL 584.0 मीटर स्थान ड्राफ्ट ड्यूब मेन होल यूनिट III के नीचे फर्स पर रखे ड्रम पर आग शुरू हुआ एवं फायर अलार्म बजना शुरू हो गया। फायर अलार्म सुनते ही संबंधित कार्मिक घटनास्थल पर आए एवं तुरन्त सूचना नियंत्रण कक्ष को दी गई। नियंत्रण कक्ष से पब्लिक स्ड्रेस सिस्टम से अनाउंसमेंट किया गया। सी.आई.एस.एफ घटनास्थल पर पहुंचकर अग्नि शमन यंत्रों का प्रयोग कर आग को बुझाया। सूचना पर चिकित्सा एम्बुलेंस उपचार सामग्री के साथ समय पर पहुंच गई थी। मॉक ड्रिल का आयोजन महाप्रबंधक (ओ.एण्ड.एम.) के निर्देश पर किया गया। इस मॉक ड्रिल का मुख्य उदेश्य आपातकाल में एवं आपदा के दौरान घटित घटना को किस तरह से नियंत्रित किया जाय। समय–समय पर पूर्वाभ्यास किया जाता है। आपातकाल में किसी संगठन के विभिन्न विभागों के भीतर परस्पर समन्वय बनाये रखते हुए तेजी से प्रतिक्रिया देने की क्षमता को बढ़ाने के लिए यह एक प्रशिक्षण है।

इस अवसर पर श्री यू.के. ठाकुर, श्री आर.आर. सेमवाल, श्री ए.एस. वर्मा, श्री एस.के. यादव, श्री एस.के. भटनागर श्री आर.पी.रतुड़ी आदि उपस्थित रहे।

कोटेश्वर एचईपी में सी.आई.एस.एफ. द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह

कोटेश्वर एचईपी में राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह 04 से 10 मार्च 2019 तक मनाया गया। श्री पी. के. अग्रवाल महाप्रबन्धक (परियोजना) ने अधिकारियों/कर्मचारियों को सुरक्षा की शपथ दिला कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। महाप्रबन्धक ने अपने सम्बोधन में कमचारियों/अधिकारियों को सुरक्षा के मंत्र बताये जिनको घ्यान में रखते हुए कार्यक्षेत्र को दुर्घटना रहित बनाया जा सकता है।

कार्यक्रम के अर्न्तगत सी.आईएस.एफ. द्वारा विभिन्न स्कूलों में बच्चों के लिए निबंध प्रतियोगिता, स्लोगन एवं सुरक्षा गोष्ठियां आदि का आयोजन तथा बच्चों को पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर श्री डी.मणी, अपर महाप्रबन्धक (बाँध एवं पावर हाउस), श्री ए.के. घिल्डियाल अपर महाप्रबन्धक (विद्युत), श्री बी. के. सिन्हा उप महाप्रबन्धक (कार्मिक एवं प्रशासन), श्री जे.पी. गोस्वामी, सहायक कमांडेन्ट सी.आई. एस.एफ. श्री एस. के. चौहान, उप महाप्रबन्धक, श्री डी.के. त्यागी उप महाप्रबन्धक, श्री पुरूषोत्तम रावत वरि. सुरक्षा अधिकारी, श्री आर.डी. ममगाई वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी एवं अन्य कई अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

टिहरी बांध प्रभावित क्षेत्रों में टीएचडीसी द्वारा 25 फार्म मशीनरी बैंक की स्थापना

07 मार्च 2019 को श्री एच.एल. भारज, अधिशासी निदेशक, श्री शैलेन्द्र सिंह, महाप्रबन्धक (सामा. एवं पर्या.) तथा कृषि अधिकारी, टिहरी के द्वारा बांध प्रभावित क्षेत्र में टीएचडीसी इण्डिया लि. एवं कृषि विभाग उत्तराखण्ड सरकार के द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व के अन्तर्गत भिलंगना घाटी के 05 गांवों में 05 कृषक समूहों को फार्म मशीनरी बैंक की स्थापना हेतु 15 लाख रूपये की लागत की कृषि यंत्रों के साथ हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। अधिशासी निदेशक के द्वारा अवगत कराया गया कि पूर्व में भी सेवा–टीएचडीसी के द्वारा 25 फार्म मशीनरी बैंक की स्थापना टिहरी जिले के बांध प्रभावित क्षेत्रों में की गयी है। कृषि यंत्रों के द्वारा कृषकों की आय दोगुनी करने में भारत सरकार के कार्यकम में मील का पत्थर सबित होगी। ग्रामीण भी कृषि यंत्रों को देखकर अति–उत्साहित थे और

आशा व्यक्त की कि हमें किसानी करने में सहायता होगी। किसानों ने सेवा–टीएचडीसी का धन्यवाद किया।

सेवा-टीएचडीसी द्वारा तपैदिक से ग्रसित असहाय निर्धन बच्चों को पौष्टिक आहार

अपने कॉरपोरेट सामाजिक उत्तर दायित्व का निर्वाह करते हुये टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की गैर सरकारी संस्था (NGO) सेवा–टीएचडीसी द्वारा ऋषिकेश में तपैदिक से ग्रसित 15 असहाय निर्धन बच्चों को "नन्द तू राजी रैया" कार्यकम के अर्न्तगत पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जा रहा है। इस कार्यक्रम में तपैदिक से ग्रसित निर्धन बच्चों को रोज सांय नियमित रूप से जूस, दूध, अण्डा, फल, मिठाई आदि पोषाहार दिया जा रहा है। सामाजिक एवं पर्यावरण विभाग के महाप्रबन्धक (सा.एवं पर्या.) श्री शैलेन्द्र सिंह, द्वारा सभी बच्चों हेतु वाटर फिल्टर, रूमाल, मास्क, प्लेट, गिलास, पानी की बोतल, कम्बल, बैगआदि पूर्ण सामग्री उपलब्ध करायी गयी। महाप्रबन्धक द्वारा अपने सम्बोधन में बच्चों को बीमारी से हार न मानने हेतु प्रेरित करते हुये अवगत कराया गया कि पर्याप्त पौष्टिक आहार ग्रहण करने से एवं नियमित उपचार कराने से इस बिमारी से बचा जा सकता है। जिला तपैदिक अधिकारी डा. सुधीर पांडे एवं उपाध्यक्ष श्री तीरथ सिंह रावत ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए पोषाहार एवं रहन–सहन के विषय में बताते हुए सेवा–टीएचडीसी एवं आस संस्था की भूरि–भूरि प्रशंसा की।

ऋषिकेश में ध्यान योग कार्यशाला

कारपोरेशन के कार्मिक कल्याण अनुभाग ऋषिकेश द्वारा ध्यान योग कार्यशाला का आयोजन 21 से 27 फरवरी 2019 तक ऑफिसर्स क्लब में सभी अधिकारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों के लिए किया गया। इसमें अधिकांश लोगों ने बढ़चढ़ कर प्रतिभाग किया एवं ध्यान से होने वाले लाभों को प्राप्त किया।

इसी क्रम में 1 मार्च 2019 को रसमंजरी में सभी कर्मचारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों हेतु एक विशेष ध्यान कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में मुख्य रूप से ब्रह्म श्री पितामह पत्री जी उपस्थित रहे। वे इंटरनेशनल पिरामिड सेन्टर मूवमेन्ट के संस्थापक हैं। अधिशासी निदेशक (परिकल्प) श्री आर.के. विश्नोई ने श्री पत्री जी को शॉल एवं पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। आदरणीय ब्रह्मम श्री पितामाह पत्री जी द्वारा सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों को ध्यान के बारे में ज्ञान से परिचित कराया एवं सभी को ध्यान सिखाया।

इस अवसर महाप्रबंधक (आ.एम.एस क्यू. एवं सेफ्टी), महाप्रबंधक (सविदा), महाप्रबंधक (ई.एम.डी),महाप्रबंधक (जी. एण्ड जी) एवं अपरमहाप्रबंधक (का.–वेलफेयर) एवं अन्य अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रबन्धक (कार्मिक–कल्याण) द्वारा किया गया साथ ही वरि. कर्मिक अधिकारी एवं कार्मिक कल्याण के कर्मचारी आदि उपस्थित थे।

स्वस्थ भारत यात्रा के अन्तर्गत टीएचडीसी परिसर में साईकिल रैली

भारतीय खाद्य सुरक्षा मानक प्राधिकरण, नई दिल्ली के तत्वाधान में आयोजित स्वस्थ भारत यात्रा के अन्तर्गत साईकिल रैली 13.01.2019 को देहरादून से टीएचडीसी प्रांगण ऋषिकेश पहुंची। इस साईकिल रैली में उपस्थित सदस्यों का स्वागत मन्दाकिनी भवन में अपर महा प्रबन्धक (का.–प्रशासन/वेलफेयर), श्री एन.के. प्रसाद तथा कार्यक्रम का समन्वय एवं संचालन श्री दिलीप कुमार द्विवेदी प्रबन्धक (का.–वेलफेयर) द्वारा किया गया। 15.01.2019 को प्रातः 10 बजे साइकिल रैली को टीईएस, हाईस्कूल ऋषिकेश के प्रांगण से श्री प्रसाद व भारतीय खाद्य सुरक्षा मानक प्राधिकरण, नई दिल्ली के उच्च अधिकारियों द्वारा झंडा दिखाकर हरिद्वार के लिए रवाना किया गया। इस यात्रा

का उद्देश्य लोगों में स्वास्थ्य जागरूकता का प्रचार प्रसार करना था जिससे स्वस्थ भारत का निर्माण हो सके।

ICPSU Cricket Tournament

में टीएचडीसीआईएल को तृतीय स्थान

निदेशक (कार्मिक) श्री विजय गोयल को ट्रॉफी भेंट करते क्रिकेट टीम के सदस्य

पावर ग्रिड (पीजीसीआईएल) द्वारा आईसीपीएसयू क्रिकेट टूर्नामेंन्ट का आयोजन 04 से 09 फरवरी, 2019 तक टेरी ग्राउंड फरीदाबाद में किया गया। इस प्रतियोगिता में 11 पीएसयू की टीमों ने प्रतिभाग किया। कड़ी स्पर्धा के बाद टीएचडीसी की क्रिकेट टीम ने सेमीफाइनल में जगह बनाई एवं एनएचपीसी को भारी अन्तर से हराकर तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इस क्रिकेट टीम के प्रबन्धक श्री दिलीप कु. द्विवेदी, कप्तान श्री सम्राट मुखर्जी एवं उप कप्तान श्री आलोक ए. टोप्पो थे। क्रिकेट टीम के सदस्यों ने प्राप्त ट्राफी को निदेशक (कार्मिक) श्री विजय गोयल को भेंट किया। अपर महाप्रबन्धक (का. एवं प्रशा.) श्री एन.के. प्रसाद टीएचडीसीआईएल क्रिकेट टीम के सदस्य उपस्थित रहे।

कोटेश्वर एचईपी में वॉलीबाल टूर्नामेन्ट संपन्न

आपसी सौहार्द एवं खेल भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कोटेश्वर एचईपी में 05 व 06 मार्च को अंतर इकाई वॉलीबाल टूर्नामेन्ट का आयोजन किया गया।

इसका उद्घाटन श्री पी. के. अग्रवाल, महाप्रबन्धक (परियोजना) एवं श्री बी. के. सिन्हा, उप महाप्रबंधक (कार्मिक एवं प्रशा.) ने संयुक्त रूप से किया। टिहरी, कोटेश्वर,ऋषिकेश इकाईयों के बीच लीग मैच खेले गये जिसमें टिहरी व ऋषिकेश टीम के बीच फाईनल मैच खेला गया। ऋषिकेश की टीम ने लगातार तीन सेटों में 25–22, 25–16 एवं 25–20 अंको से टिहरी की टीम को शिकस्त दी। श्री अग्रवाल ने विजेता ऋषिकेश व उप विजेता टिहरी की टीम को ट्राफी देकर सम्मानित किया। उत्कृष्ट खिलाड़ी विजेता टीम के श्री सरदार सिंह चौहान रहे। इस अवसर पर श्री ए.के. घिल्डियाल, श्री जे.पी. गोस्वामी आदि उपस्थित थे।

पी.आर.पी. (PRP), सेट (SAT) एवं विश्व बैंक की टीमें VPHEP में

01 से 03 अप्रैल, 2019 तक पी. आर.पी. (PRP), सेट (SAT) एवं विश्व बैंक की टीमें विष्णुगाड़ पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना में बांध स्थल, विद्युत गृह स्थल, टी.बी.एम. साईट का निरीक्षण किया। परियोजना कार्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक करके परियोजना कार्यों की समीक्षा की।

इस अवसर पर टीएचडीसी के निदेशक (तकनीकी) श्री एच.एल. अरोड़ा, अधिशासी निदेशक, श्री आर.के. विश्नोई, महाप्रबंधक (परियोजना) श्री यू.के. सक्सेना एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

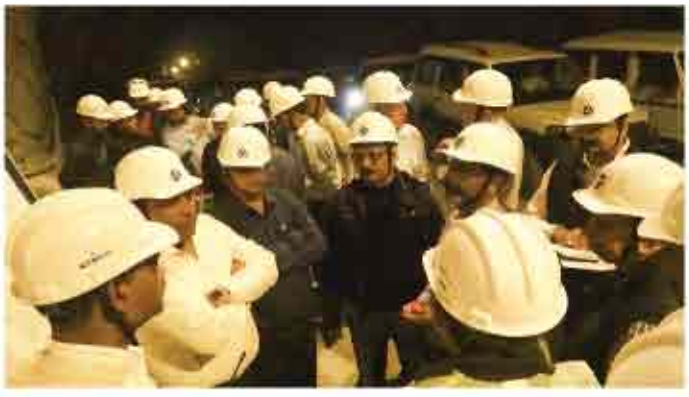

Programme on Compliance of CLRA Act P.F. and ESI

कार्मिक विभाग के आई.आर. अनुभाग ऋषिकेश द्वारा 16 जनवरी 2019 को Awareness programme on Compliance of CLRA Act] P-F-and ESI विषय पर कोटेश्वर परियोजना में कार्यरत संविदा श्रमिकों, संविदाकारों, इंजीनियरिंग इंचार्ज एवं ठेकेदारों के साइट ईचार्ज हेतु एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ श्री बी. के. सिन्हा, उप महाप्रबन्धक (का. एवं प्रशा.) परियोजना द्वारा किया गया। वरि. प्रबन्धक (कार्मिक) श्री मुकेश वर्मा ने उपस्थित प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा कार्यक्रम में होने वाले लाभों के बारे में संक्षेप में जानकारी दी। श्री अलोक ए. टोप्पो, उप प्रबन्धक द्वारा प्रस्तुतीकरण के माध्यम से CLRA Act के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गयी तथा सम्बन्धित समस्याओं पर चर्चा कर उचित सलाह एवं मार्गदर्शन किया गया।

Induction & Orientation Programme for ETs 2018

As a strategic requirement of the Corporation 49 ETs in Elect/Mech/Civil/CS Discipline have been inducted in the Corporation. The induction Program named Aarambh 2K18 started at HRD Center on 31st jan.'2019. Director (T) Sh. H.L. Arora and Director (P) Sh. Vijay Goel also participated in the Orientation Program.

Refresher Course on Land Acquisition Act

A Training Programme on Refresher Course on Land Acquisition Act was organized through Dr. Sushant Chandra & Prof. Ajey Sangai from 17th to 19th Dec.'2018 at HRD Centre, Rishikesh. 28 Executives participated in this programme.

Communication & Presentation Skill

A Dedicated Programme on Communication & Presentation Skill was organized through Mrs. Seema Sanghi, MD Styrax Consultants Pvt. Ltd.

for ETs 2018 Batch under Aarambh 2K18 at HRD Centre From 18th to 19th Mar.'2019 in which 48 Executive Trainees participated.

OBT Module Motivation Team Building & Leadership

A Dedicate Programme on OBT Module Motivation, Team Building and Leadership was Organized through Sh. (Prof). Binay Kumar Manushuo-Uthan at HRD Centre, Rishikesh from 03rd to 04th April 2019 in which 49 Executive Trainee participated.

Programme on Behavior Based Safety

A Training Programme on Behavior Based Safety Productivity and Prosperity was organized on 15th March, 2019 at HRD Centre Rishikesh. Sh. S.P.Singh, Hony. Secretary, Uttarakhand Productivity Council, Dehradun supervised the programme in which 49 Executive Trainees participated.

Training on IND AS

Training Program on Ind As was organized at HRD Center Rishikesh through M/s Eish Taneja & Associates Delhi from 20th to 21st Dec.'2018 in which 23 finance professionals of the corporation Participated.

Training on Vibration Analysis

A 03 day Training Program with Certification Examination on Vibration Analysis & Monitoring Instruments – level 2 was held at Tehri from 18th

to 21st Feb.'2019 through Sh. M.P. Srivastava, MD. M/s IRD Mechanalysis Ltd.

Training on PrimaVera

Training Program on PrimaVera and Contact Management Software was organized by M/s GreenLeaf IT Consulting Pvt. Ltd. Noida from 26th to 30th Nov.'2018 at HRD Centre Rishikesh. In which 26 Executive & Executive Trainee have Participated.

Programme on PCMM

A Training Program on People Capability Maturity Model (PCMM) was organized through Sh. (Prof.) Chandra Sekhar, M/s MacLead Certification Pvt.

Ltd. Noida from 30th to 31st Jan.'2019 at HRD Centre, Rishikesh. In which 29 Executive have Participated.

Awareness Programme on Sexual Harrassment

A Training Program on Managing Transitions Achieving Personal & Organizational Effectiveness & Awareness on Sexual Harrassment. was organized through Sh. Ajay Agarwal & Mrs. Richa Agarwal, M/s Rapid learning System (P) Ltd. Kolkata from 27h to 29th Mar.'2019 at HRD Centre, Rishikesh. In which 44 Executive Trainee have Participated.

Lead Auditor Course

A Training Program on Lead Auditor Courseon "ISO 9001:2015,ISO 14001:2015 & OHSAS 18001:2007/ ISO 45001:2018' was organized through Sh. Sanjay Kausik, M/s QMS Certification Services Pvt. Ltd. Bangaluru from 25th Feb to 07th Mar.'2019 at HRD Centre, Rishikesh & 10 Executive participated.

SUCCESS STORY OF A PILOT PROJECT UNDER

Integrated Livelihood Improvement Project

Area – Bhilangna Valley, Tehri Garhwal (Project Period – January to March, 2019)

Total Cost - Rs. 55, 12,362.00 **Total Beneficiaries - 1500 House Hold**

Funded By: SEWA-THDC, Rishikesh. (Under Corporate Social Responsibility Funding) and Department of Agriculture & Horticulture Tehri Garhwal, UK.

1.0 Background of Project Area

11 villages have been selected affected by the Tehri Dam in the Bhilangna Valley of Tehri Garhwal district were selected for the ILEP project implementation. These villages are mostly located along the reservoir area of Bhilangna river. The present total population of the selected villages is around 10,000 including total number of 1900 families (as per the information given by Gram Pradhans). More than 50% of the population lives below poverty line. The villages are located at an average altitude of 800 to 1100 m. above sea level i.e. mid altitude area. The following villages have been selected for the project.

S.N.	Name of Village	No. of Households	No. of SC Families
1	Pokhal	400	160
2	Koti	350	120
3	Deveri	47	40
4	Asena	26	3
5	Padagli	200	65
6	Bahera	65	07
7	Pilkhi	125	20
8	Pipola	75	24
9	Gojiyana	120	35
10	Indraula	142	36
11	Banchuri	350	150
	Total	**1900**	**660**

Agriculture is the prime occupation of the people in the project villages it is equally supported by the animal husbandry. Due to availability of fodder in the villages people are keeping milk cattle, goats and some are rearing backyard poultry.

2.0 Main Objectives of the Project

Based on the data obtained by the survey of 11 dam affected villages of the Bhilangana Valley the following objectives are set to be achieved in the project:

1. To promote 100 Farmers Groups in the project villages for strengthening the community and mobilizing them for project activities.

2. To improve the present agriculture productivity of farmers. To introduce value addition methods.
3. To enhance cultivation of selected fruit crops, vegetable cultivable additional source of income.
4. To ensure community contribution in the project through social mobilization and convergence.

3.0 Details of Project Activities Implementation

3.1 Community Mobilization Meetings in Villages

In order to mobilize the community, their participation for project activities and Self Help Groups formation general meetings were conducted with villagers in each selected village of project area.

3.2 Formation of Self Help Groups (SHGs)

In order to strengthen and organize the local community for participation in the project activities and enhancing their ownership of the deliverables 100 SHGs in 11 project villages has been formed. The major activities of SHGs are –

1. Collection of Monthly savings of the members.
2. Review of project activities implemented through the SHGs at village level.
3. Selection of beneficiaries for project deliverables.
4. Planning future activities of the project.

3.3 Construction of Vermi Compost Pits for Organic Manure Production

All families in the project villages have cattle in their houses

that are primarily kept for milk production. Hence there is regular and good availability of dung in the villages that is used in the agriculture fields in raw form only, which is not very productive for the crops. Hence to promote production of organic manure and enhance the production of crops, the construction of 125 vermi compost pits (10X3X2 ft. size) in the project villages which will be utilized for vermin compost production.

3.4 Construction of Rain Water Harvesting Tanks

Promotion of rain water in the rainy season for Roof Top Rain Water Harvesting Tanks of 3 KL capacity each. The water stored in these tanks is used for both household purposes and irrigation of the kitchen garden developed around the houses. Total 60 Rain Water Harvesting Tanks are constructed during the project period.

3.5 Construction of Low Density Polyethylene (LDPE) Tanks

Project has demonstrated how to carry and harvest water from perennial water sources from long distances through HDPE pipes to low cost 10 Low Density Polyethylene (LDPE) tanks. A farmer group can go for series of LDPE tanks from one perennial water source to bring more area under profitable cultivation. Total beneficiaries will be 125 no.

3.6 Construction of Poly Houses

Poly house is a modern technique for growing high breed off season vegetables and flowers under a controlled temperature that suits the specific crops. Department of Horticulture has supported the selected farmers for Poly house as 85% of the grant for Poly Houses was given by them while SEWA THDC and Beneficiary Farmer contributed 15% and 5 % respectively. The poly house size is 10x10 mt (100 sq.mt.).

3.7 Farm Machinery Banks

Modernization of Agriculture is very important to reduce manual labour and enhance the production of crops and create surplus for market sale. As women are the main participants in the agriculture activity they are the sufferers of drudgery. 5 Sets of Farm Machinery Banks (Rs. 3.00 lac cost of each set) has distributed to the SHG in 5 selected Villages. District Department of Agriculture, Tehri Garhwal has contributed 80% of the Farm Machinery cost while 20% is shared by SEWA THDC. To sustain farm equipment follow up for regular feedback and maintained of equipment will be done by Agricultural Department.

The SHG members have been trained for operating the machines and the SHGs will be the owner and operators of these machines. The machines will be given to local families in village as per demand on rent basis by the SHG fund generated can be used by village for other activities.

3.8 Plantation Work of Pomegranate and Walnut Fruit Plants

In order to provide an additional source of income to the villagers in the project area the project conducted plantation of 1800 fruit plants of Pomegranate and walnuts in 4 project villages. The plantation work was done in cluster areas so as to facilitate the maintenance of the plants and fencing of the plantation area in due course of time with help of District Department of Agriculture,.

4.0 Monitoring and Evaluation

Monitoring and Evaluation is a very important component of the project. Monthly monitoring of the project activities was done by Nodal Officer, THDC to monitor and guide the implementation of the project deliverables as per the project guidelines and the timeline. The project was also monitored by third party by M/s SR Asia from Ghaziabad in the last week of February, 2019.

5.0 Summary of Physical Targets and Achievements of ILEP

S. N.	Activity	Target	Achievement	Remarks
1	Village Level Meetings for Community Mobilization and Beneficiaries Selection	11 Project villages	11 meetings in all villages	Community mobilization for Project Activities and Beneficiaries Identification.
2	SHGs Formation	100 SHGs	100 SHGs	SHGs formation in 10 project villages.
4	Vermi - Compost Pits Construction for Organic Manure	125 Pits till March,2019	125 Pits construction completed.	All 125 pits completed and production will start in May,2019.
5	LDPE Tanks Construction for Irrigation	10 Tanks	10 Tanks completed.	All tanks completed by the beneficiaries and used for irrigation.
6	Rain Water Harvesting Tanks Construction	60 Tanks	60 Tanks completed.	Tanks are used for storage of harvested roof top rain water for daily use, irrigation.
7	Construction of Polyhouses for Cultivation of High breed vegetables.	3 Polyhouses	03 Poly Houses	All 3 Poly houses installed and will be used for cultivated of high breed vegetables and flowers species.
8	Farm Machinery Banks to SHGs for Drudgery Reduction and Improved Farming	5 Sets	5 Farm Machineries Distributed to SHGs	5 SHGs have in project villages have received the Farm Machinery after training and demo to SHG members. To be used by all farmers in the project villages.
9	Plantation work of fruit plants	2000 plants in 2 Hact.	1800 Plants in project villages	Plantation of 1000 Pomegranate and 800 Walnut completed in 4 clusters of project villages. Fencing work of plantation area to be done under convergence with Agriculture Department.

6.0 DETAILS PROJECT EXECUTED THROUGH CONVERGENCE

The convergence has been done with the Uttrakhand Agriculture Department and Horticulture Department. The details of the convergence is as under-

S. N.	Activity	Units	Units Cost (Rs.)	THDC Grant (Rs.)	Convergence Fund from Dept. of Agriculture & Horticulture	Beneficiary Contribution (Rs.)	Total Budget (Rs.)
1.	Vermi- Compost Pits (10x3x2 ft)	125 Pits	8000/- per pit	375000.00 @3000/- each	500000.00 @4000/- each	1,25,000.00 @1000/- each	1000000.00
2.	LDPE Tanks (5x3x1.5 mt)	10Tanks	22000/- per tank	50000.00 @5000/- each	150000.00 @15000/- each	20000.00 @2000/- each	220000.00
3.	Construction of Rain Water Harvesting Tanks (3 Kl)	60Tanks	25000/- per tank	750000.00 @12500/- each	600000.00 @10000/- each	15000.00 @2500/- each	1500000.00
4.	Construction of Polyhouses (10x10 mt.)	3 Poly Houses	121900/- each	54855.00 @18285/- each	292560.00 @97520/- each	18285.00 @6095/- each	365700.00
5.	Farm Machinery Banks to SHGs for Drudgery Reduction and Improved Farming	5 Farm Machinery Set	300000/- per set	300000.00 (20%)	1200000.00 (80%)	00.00	1500000.00
		Total		**15,29855.00**	**27,42560.00**	**3,13,285.00**	**45,85,700.00**
		Percentage Share		**(33%)**	**(60%)**	**(7%)**	

Project Sanctioned cost : Rs. 55, 12, 362.00

Work Cost (83.18%) : Rs. 45, 85,700.00

हिंदी कार्यशाला का आयोजन

टिहरी

29.03.2019 को टिहरी के हिंदी अनुभाग (का. एवं प्र.) विभाग द्वारा अधिकारियों के लिए एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ प्रबंधक (का. एवं प्र.) एवं मुख्य संकाय सदस्य डॉ संजीव नेगी, प्रोफेसर राजकीय महाविद्यालय, नई टिहरी का स्वागत प्रस्तुत भेंट कर किया गया। इस कार्यशाला में 31 अधिकारियों ने भाग लिया।

वीपीएचईपी

वीपीएचईपी में 28.03.2019 को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। श्री के.के. पाण्डेय, अपरमहाप्रबंधक (विद्युत गृह) ने दीप प्रज्ज्वलित कर हिंदी कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए अपने संबोधन में इस बात पर विशेष बल दिया कि पहले अंग्रेजी को पढ़े–लिखे लोगों की निशानी समझा जाता था लेकिन अब हिंदी के प्रचलन का दौर शुरू हो चुका है। हम सभी "क" क्षेत्र में आते हैं और सभी को हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है। हम सुनिश्चित करें कि अपने समस्त कार्य हिंदी में ही करें। उन्होंने कहा कि हिंदी अपने आप में एक समृद्ध भाषा है तथा सरकारी कामकाज को हिंदी में करने में कोई परेशानी नहीं होनी चाहिये। हिंदी का अपना वृहद शब्द कोष है तथा कम्प्यूटरों पर हिंदी में काम करने की समस्या सुविधायें मौजूद होने से अब तकनीकी कार्यों में भी इसका प्रयोग सुगम हो गया है।

कार्यशाला में 30 अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में श्री बी.के. सिंह, उपमहाप्रबंधक (का. एवं प्रशा.) ने सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित कर कार्यशाला का समापन किया।

एनसीआर कार्यालय, कौशाम्बी

एनसीआर कार्यालय, कौशाम्बी में 15.03.2019 को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। हिंदी कार्यशाला में श्री अमित प्रकाश, संयुक्त निदेशक (राजभाषा) विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली को व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था। श्री एस.एम. सिददकी, उपमहाप्रबंधक (का.वा.) द्वारा श्री अमित प्रकाश को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया तदुपरांत कार्यशाला का शुभारम्भ किया गया।

कार्यशाला में व्याख्यान के दौरान श्री प्रकाश ने राजभाषा अधिनियम 1976 में दिए गऐ प्रावधानों पर चर्चा की गई।

राजभाषा अधिनियम की धारा 3 (3) व धारा 8 (4) की उपयोगिता तथा हिंदी कार्य करने में उपयोग से संबंधित विचारों का आदान–प्रदान किया गया। कार्यशाला के दौरान श्री अमित प्रकाश ने अवगत कराया कि हिंदी राजभाषा का प्रयोग केंद्रीय कार्यालयों में तेजी से बढ़ा है।

इस कार्यशाला के आयोजन को सफल बनाने के लिए एनसीआर कार्यालय, कौशाम्बी के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपना पूर्ण योगदान दिया तथा इस हिंदी कार्यशाला को सफल बनाया। कार्यशाला में 21 अधिकारियों एवं 04 कर्मचारियों ने भाग लिया।

सहयोग कमेटी टिहरी द्वारा वित्तीय वर्ष 2018-19 में किये गये कार्यो का वृतांत

1. सहयोग कमेटी के सदस्यों द्वारा 25 व्यक्तियों को चिकित्सालय व कार्मिक एवं प्रशासन विभाग से रेफरल प्रक्रिया में समय–समय पर सहयोग प्रदान किया गया।
2. विभिन्न क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों, जो अपने आपको पारिवारिक, मानसिक व भावनात्मक रूप से असहज महसूस कर रहे थे, सहयोग सदस्यों द्वारा काउन्सलिंग करते हुए उनको सहयोग प्रदान किया गया।
3. अधिकारियों/कर्मचारियों के परिवार में होने वाले वैवाहिक कार्यक्रमों हेतु पानी की व्यवस्था हेतु समय – समय पर पानी के टैंकर सदस्यों द्वारा उपलब्ध करवाये गये।
4. टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों के परिजनों के स्वास्थ्य खराब होने पर डैम टॉप से मानवता के आधार पर उनकी जीवनरक्षा की प्राथमिकता को देखते हुये रात्रि में सदस्यों द्वारा उन्हें डैम टॉप से आने हेतु अनुमति दिलवाने में सहयोग प्रदान किया गया।
5. अधिकारियों/कर्मचारियों के परिजनों के स्वाभाविक तथा आकस्मिक निधन होने पर अंतिम संस्कार हेतु समीति सदस्यों द्वारा आवश्यक सहयोग प्रदान किया गया।
6. स्थानान्तरित अधिकारी/कर्मचारियों को अदेय प्रमाण पत्र दिलवाते हुए वित्त विभाग से एल.पी.सी. स्थानान्तरण में सहयोग प्रदान किया गया।
7. टिहरी परियोजना से बाहर नियुक्त अधिकारियों/कर्मचारियों के विभिन्न ट्रेनिंग कार्यक्रमों में टिहरी परियोजना के पावर हाउस के अन्दर बिना पहचान पत्र के प्रवेश न करवाने में उनकी पहचान में सहयोग किया गया जैसे एनपीटीआई तथा कोटेश्वर से आये कुछ अधिकारी कर्मचारियों को ओ. एण्ड एम. के ट्रेनिंग कार्यक्रम में प्रतिभाग करना इत्यादि।

   उक्त के अतिरिक्त सहयोग सदस्यों द्वारा मानवीय दृष्टिकोण के आधार पर निम्न कार्य भी किए गये :–
8. माह जून 2018 में पावर हाउस से संबंधित मशीने दो ट्रोलो में टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड पीपलकोटी जा रहे थे जिन्हें डैम टॉप टिहरी से गुजरने की अनुमति नहीं मिल पा रही थी। पीपलकोटी से दूरभाष पर श्री राजेन्द्र सिंह पंवार, प्रबन्धक द्वारा सहयोग कमेटी के सदस्य श्री रणवीर सिंह रावत को अवगत कराया गया जिस पर श्री रावत द्वारा व्यक्तिगत प्रयासों से उक्त ट्रोलो को डैम टॉप से जाने

की अनुमति प्रदान करवा कर परियोजना हित में सहयोग प्रदान किया गया।

9. पुनः 21.07.2018 को भी पीपलकोटी परियोजना हेतु दो ट्रोलों में लदी मशीनों को डैम टॉप से निकालने हेतु सहयोग कमेटी के सदस्य श्री रणवीर सिंह रावत द्वारा अनुमति प्रदान करवाने में सहयोग।
10. परियोजना क्षेत्र के अंतर्गत स्थित नरेन्द्र महिला विद्यालय में फूड प्वाईजन होने के कारण बालिकाओं के बिगड़ते स्वास्थ्य की सूचना सहयोग समिति के सदस्य श्री मनवीर नेगी व श्री रणवीर सिंह रावत के संज्ञान में आने पर अन्य सदस्यों को सूचित कर बालिकाओं के स्वास्थ्य समाधान हेतु विभागीय बस एवं व्यक्तिगत वाहनों से जिला चिकित्सालय बौराडी पहुंचा कर सहयोग प्रदान किया गया।

टिहरी यूनिट के लिए गठित सहयोग कमेटी के सदस्यों के नाम

- श्री एस. आर. मिश्रा, कार्यपालक निदेशक, (टीसी) मार्गदर्शक (मेंटर)
- श्री संजय महर, उप महाप्रबन्धक, योजना (ग्रुप लीडर)
- श्री संजय गोयल, वरि. प्रबन्धक, मैकेनिकल
- श्री पवन चावला, उप प्रबन्धक, वित्त एवं लेखा
- श्री मनवीर सिंह नेगी, उप प्रबन्धक, कार्मिक एवं प्रशासन
- श्री पी. डी. जोशी, अधिकारी, पर्यावरण
- श्री शेर सिंह रावत, अधिकारी, पर्यावरण
- श्रीमती अमीता नेगी, वरि. फार्मासिस्ट, चिकित्सालय
- श्री सुरेश, कनि. वरि. इलैक्ट्रीशियन, कार्मिक एवं प्रशासन
- श्री रणवीर रावत, तकनीशियन, ओ. एंड एम.

Diabetes Mellitus and its Oral Management

By: Dr. Andrew Prasad, Dy.CMO
THDC Hospital, Tehri

classification:
1-Type 1 : insulin dependent
2-Type 2 : non-insulin dependent
3-other specific types:
a- genetic defect of cell function of pancreas.
b- genetic defects of insulin action
c- disease of pancreas :pancreatitis , neoplasm in pancreas
d- endocrinal disorder : Cushing syndrome , phaeochromcytoma.

e- drug induced : glucocortcoids (cortisone) ,thyroid hormone.
4-gestational diabetes : occurs during pregnancy.

Symptoms and signs of undiagnosed or poorly treated DM:
Polydipsia ,polyphagia ,polyurea ,loss of weight ,blurred vision , kussmaul (deep) **breathing , smell of acetone , poor wound healing , recurrent skin infection and oral manifestation.**

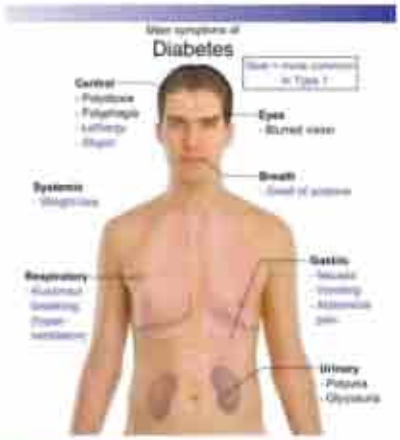

Oral manifestation:
1-dry mouth
2-burning sensation of the tongue.
3-atrophy of tongue coating.
4-periodontal disease
5-increase rate of dental caries
6- odontalgia
7- Candida infection
8- lichenoid reaction

Gingivitis in uncontrolled diabetic patient

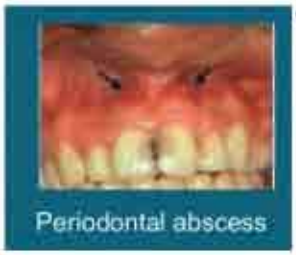
Periodontal abscess

PDL changes in NIDDM Patient from 8 years

Medical management
- Exercise and diet control
- Insulin : rapid, short, intermediate, long acting.
- Oral antidiabetic agents

Dental Management considerations :
To minimize the risk of an intra operative emergency we should manage pt according to:
1-Uncontroled pt(FBG > 200 MG /DL), **should referred to the physician before dental procedure.**
2-Controlled pt(FBG <200 mg/dl),
1.morning appt even not coincide with peak activity.
2.Ensure that the pt has eaten normally and

5.Avoid excessive trauma during surgical procedure
6.Rapid ttt of infections to avoid hyperglycemia
7.Avoid long appointment
8.The drugs should be sugar-free ,avoid that raise Bl.glucose and that raise insulin function. (Amoxicillin is the antibiotic of choice and paracetamol is the analgesic of choice).

10.Hospitalization is done in:
a-multiple extraction.
b-Massive infection.
11.Antibiotic cover post op.in massive oral infections and in extensive surgeries.
12. From preventive point of view ,the pt should instruct to maintain meticulous oral hygiene as DM makes

Grandma Useful Tip

BLOOD PRESSURE

Having pomegranate juice daily is good for heart and useful for people suffering from low blood pressure (Hypotension)

दादी माँ के नुस्खें

Grandma Useful Tip

For Diabetes

Soak one or two teaspoon of fenugreek Seeds (Methi Seeds) in water overnight and drink this first thing in the morning on empty stomach.

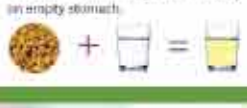

भावभीनी विदाई एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं

श्री ए.के. माथुर,
महाप्रबंधक (कमर्शियल)
ऋषिकेश

60 वर्ष की आयु पूर्ण होने के उपरान्त कारपोरेशन की सेवा से 31.01.2019 को सेवानिवृत्त हुये। हम उनके उत्तम स्वास्थ्य व सुखद भविष्य की कामना करते हैं।

श्री डी.आर. फोंदणी, वरिष्ठ लेखा अधिकारी (वित्त) 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने के उपरान्त कारपोरेशन की सेवा से 31.03.2019 को सेवानिवृत्त हुये। हम उनके उत्तम स्वास्थ्य व सुखद भविष्य की कामना करते हैं।

श्री प्रदीप कुमार शर्मा, वरि. फार्मासिस्ट, चिकित्सालय विभाग, टिहरी 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने के उपरान्त कारपोरेशन की सेवा से 31.03.2019 को सेवानिवृत्त हुये। हम उनके उत्तम स्वास्थ्य व सुखद भविष्य की कामना करते हैं।

श्री खेम सिंह कठैत, परिचारक, विधि एवं पुनर्वास विभाग, टिहरी 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने के उपरान्त कारपोरेशन की सेवा से 31.03.2019 को सेवानिवृत्त हुये। हम उनके उत्तम स्वास्थ्य व सुखद भविष्य की कामना करते हैं।

श्री मुखराम सिंह, परिचारक, यांत्रिक विभाग, टिहरी 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने के उपरान्त कारपोरेशन की सेवा से 31.03.2019 को सेवानिवृत्त हुये। हम उनके उत्तम स्वास्थ्य व सुखद भविष्य की कामना करते हैं।

श्रीमती मधुबाला, कनिष्ठ अधिशासी, पी.एस.पी. विभाग, टिहरी 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने के उपरान्त कारपोरेशन की सेवा से 31.01.2019 को सेवानिवृत्त हुये। हम उनके उत्तम स्वास्थ्य व सुखद भविष्य की कामना करते हैं।

श्री बिमल किशोर कुमार, वरिष्ठ ऑपरेटट (सर्विसेज) ऋषिकेश, 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने के उपरान्त कारपोरेशन की सेवा से 31.01.2019 को सेवानिवृत्त हुये। हम उनके उत्तम स्वास्थ्य व सुखद भविष्य की कामना करते हैं।

श्री चन्द्रलाल, वरिष्ठ सहायक, अधिशासी निदेशक (टी.सी.) कार्यालय, टिहरी 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने के उपरान्त कारपोरेशन की सेवा से 28.02.2019 को सेवानिवृत्त हुये। हम उनके उत्तम स्वास्थ्य व सुखद भविष्य की कामना करते हैं।

डॉ. एस. पी. चौधरी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, चिकित्सालय विभाग, टिहरी 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने के उपरान्त कारपोरेशन की सेवा से 31.01.2019 को सेवानिवृत्त हुये। हम उनके उत्तम स्वास्थ्य व सुखद भविष्य की कामना करते हैं।

श्री ए.के. टम्टा, उप प्रबंधक(सर्विसेज), ऋषिकेश, 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने के उपरान्त कारपोरेशन की सेवा से 31.01.2019 को सेवानिवृत्त हुये। हम उनके उत्तम स्वास्थ्य व सुखद भविष्य की कामना करते हैं।

श्री के.एस. सजवान, अधिकारी (का.एवं.प्र.) ऋषिकेश, 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने के उपरान्त कारपोरेशन की सेवा से 31.03.2019 को सेवानिवृत्त हुये। हम उनके उत्तम स्वास्थ्य व सुखद भविष्य की कामना करते हैं।

श्री जे.पी. कोठियाल, हेल्पर (एम.पी.एस.), ऋषिकेश, 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने के उपरान्त कारपोरेशन की सेवा से 28.02.2019 को सेवानिवृत्त हुये। हम उनके उत्तम स्वास्थ्य व सुखद भविष्य की कामना करते हैं।

श्री अरविन्द कुमार, ऑपरेटर (मैकेनिकल), कोटेश्वर, 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने के उपरान्त कारपोरेशन की सेवा से 31.01.2019 को सेवानिवृत्त हुये। हम उनके उत्तम स्वास्थ्य व सुखद भविष्य की कामना करते हैं।

श्री हुकुम चन्द्र, हेल्पर (का. एवं प्र.), ऋषिकेश, 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने के उपरान्त कारपोरेशन की सेवा से 28.02.2019 को सेवानिवृत्त हुये। हम उनके उत्तम स्वास्थ्य व सुखद भविष्य की कामना करते हैं।

श्री नैन सिंह, हेल्पर (एसएण्डई), ऋषिकेश 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने के उपरान्त कारपोरेशन की सेवा से 28.02.2019 को सेवानिवृत्त हुये। हम उनके उत्तम स्वास्थ्य व सुखद भविष्य की कामना करते हैं।

श्री गजय सिंह, वरिष्ठ कार्य सहायक (सर्विसेज), ऋषिकेश, 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने के उपरान्त कारपोरेशन की सेवा से 31.01.2019 को सेवानिवृत्त हुये। हम उनके उत्तम स्वास्थ्य व सुखद भविष्य की कामना करते हैं।

श्री सी.पी. डोभाल, वरिष्ठ चालक (चिकित्सालय), कोटेश्वर, 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने के उपरान्त कारपोरेशन की सेवा से 31.12.2018 को सेवानिवृत्त हुये। हम उनके उत्तम स्वास्थ्य व सुखद भविष्य की कामना करते हैं।

श्री कलम सिंह सरियाल, वरिष्ठ विद्युतकार, ओ. एंड एम. विभाग, टिहरी 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने के उपरान्त कारपोरेशन की सेवा से 31.01.2019 को सेवानिवृत्त हुये। हम उनके उत्तम स्वास्थ्य व सुखद भविष्य की कामना करते हैं।

CPSE Brij Tournament Winners

Congratulations

Shikhar Panwar,
S/o Sh. S.S. Panwar, GM
secured 1[st] Rank in
All India Entrance 2018-19
(L.E.T.) of Army Institute
of Law, Mohali (Chandigarh)

Sameer Bijalwan
S/o Sh. M.L. Bijalwan, Jr. Exe.
KHEP secured 86.6% in
MBA (International Business)
from University of Petroleum
& Energy Studies, Dehradun and
University of Maribor, Europe

शोक संवेदना

श्री यशवन्त सिंह तोपवाल, डाटा इण्ट्री ऑपरेटर, टिहरी का 09.01.2019 को असामयिक निधन हो गया। हम उनकी आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं तथा ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उनके परिवारजनों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

श्री लाल बहादुर, वरिष्ठ ऑपरेटर, टिहरी का 26.02.2019 को असामयिक निधन हो गया। हम उनकी आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं तथा ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उनके परिवारजनों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

श्री राजवीर सिंह, हैल्पर, टिहरी का 28.02.2019 को असामयिक निधन हो गया। हम उनकी आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं तथा ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उनके परिवारजनों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

For Video Updates
Subscribe our YouTube Channel

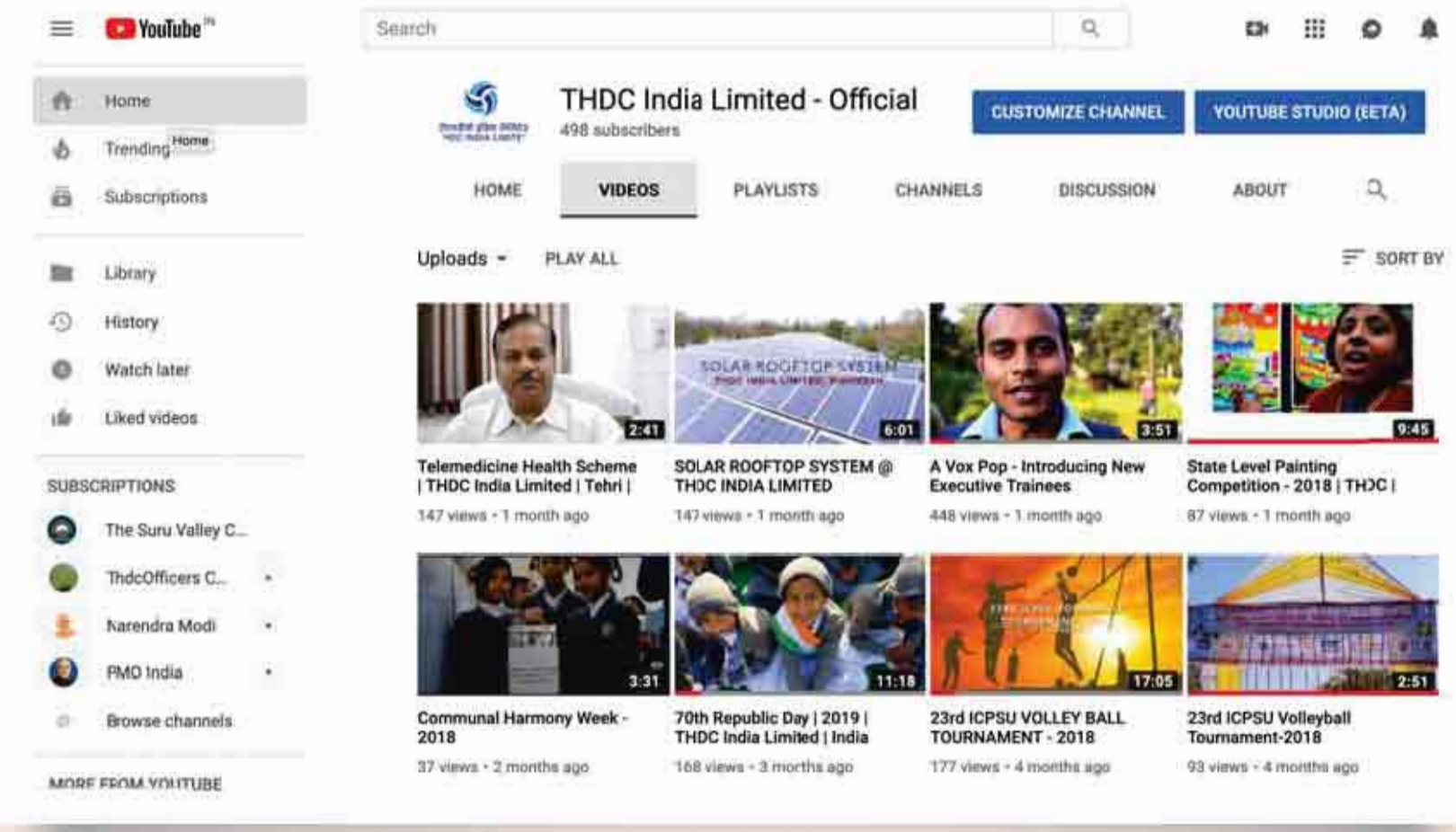

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED
(भारत सरकार एवं उ.प्र. सरकार का संयुक्त उपक्रम)
(A Joint venture of Govt. of India & Govt. of U.P.)

डॉ. ए.एन. त्रिपाठी, उपमहाप्रबंधक (कार्मिक (नीति)/कारपोरेट संचार) द्वारा टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के लिए गंगा भवन, प्रगतिपुरम, बाईपास रोड, ऋषिकेश–249201 (उत्तराखंड) से प्रकाशित
फोन: 0135–2435642, वेबसाइट: http://thdc.co.in ईमेल: prthdcil@gmail.com & hj.thdc@gmail.com
गृह पत्रिका में प्रकाशित लेखों/रचनाओं में व्यक्त किये गये विचार लेखकों के अपने हैं और उनसे टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड प्रबंधन का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
(निःशुल्क आंतरिक वितरण के लिए)

Follow us:- @THDCIL.2417 @THDCIL_MOP @THDCIL @THDC India Limited - Official

Designed & Printed by: Current Advertising Pvt. Ltd.